RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 217 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 07-03-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 घुसपैठियों को बचाने के लिए कोलकाता में धरने पर बैठी हैं ममता बनर्जी : गिरिराज सिंह

6 ईरान की उथल-पुथल : वैश्विक राजनीति के लिए गहरी सीख

7 आत्मसमान से समझौता नहीं : भूमि पेडनेकर

फर्स्ट टेक

कोसोवो की राष्ट्रपति ने संसद भंग करने की दिशा में कदम बढ़ाया

प्रिस्टीना/एपी। कोसोवो की राष्ट्रपति वोजोसा उस्मानी ने शुक्रवार को संसद भंग करने की घोषणा की। उस्मानी ने यह फैसला उनके उत्तराधिकारी का चुनाव न हो पाने के बाद जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए लिया। इस घटनाक्रम ने बाल्कन देश में एक नया संकट खड़ा कर दिया है, जहां लगभग एक साल से चल रहे राजनीतिक गतिरोध के बाद दिसंबर में अचानक चुनाव हुए थे। कोसोवो की संसद में बृहस्पतिवार मध्यरात्रि तक उस्मानी के स्थान पर नए राष्ट्रपति का चुनाव होना था लेकिन 120 सदस्यीय सदन में सदस्यों की संख्या कम होने के कारण मतदान नहीं हो सका। उस्मानी ने 2021 में पदभार संभाला था। प्रधानमंत्री अल्बिन कुर्ती ने राष्ट्रपति का चुनाव न हो पाने के लिए विपक्ष द्वारा सत्र के बहिष्कार को जिम्मेदार ठहराया।

भारत ने कोच्चि में ईरानी नौसैनिक जहाज को आपातकालीन डॉकिंग की अनुमति दी : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका द्वारा ईरानी युद्धपोत आइरिस डेना को टॉरपीडो से डुबाने से कुछ दिन पहले, भारत ने कोच्चि में एक अन्य ईरानी नौसैनिक जहाज में तकनीकी खराबी आने के बाद उसे आपातकालीन स्थिति में खड़े होने की (डॉक) अनुमति दी थी। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जहाज को चार मार्च को 183 चालक दल के सदस्यों के साथ कोच्चि में खड़ा किया गया। सूत्रों ने कहा कि जहाज आइरिस लावन में तकनीकी समस्याएं आ गईं और ईरानी पक्ष के अनुरोध के बाद एक मार्च को आपातकालीन 'डॉकिंग' की मंजूरी दी गई।

भारत को हुए तेल निर्यात का आंकड़ा सार्वजनिक नहीं करेंगे : रूस

मॉस्को/भाषा। रूस ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत को किए जाने वाले कच्चे तेल निर्यात के आंकड़े सार्वजनिक नहीं करेगा और इसे 'बहुत से बुरा चाहने वालों' से छिपाकर रखेगा। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने यह टिप्पणी अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के उस बयान के बाद की जिसमें पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की अस्थायी छूट देने की बात कही गई है। पेसकोव ने भारत को दिए गए तेल के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''नहीं, हम साफ वजहों से मात्रा का कोई आंकड़ा नहीं देने जा रहे हैं।

07-03-2026 सूर्यास्त 6:29 बजे | 08-03-2026 सूर्योदय 6:31 बजे

BSE	NSE
78,918.90	24,450.45
(-1,097.00)	(-315.45)

सोना	चांदी
16,692 रु.	271,472 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सड़कों के राजा

हम तो हैं सड़कों के राजा,
ताकत है गुर्राने की।
नहीं जरूरत पड़ी आज तक,
कागजात दिखलाने की।
लाल बत्तियां सीट बेल्ट सब,
बातें है भरमाने की,
पर्स अगर भारी है तो फिर,
क्या चिंता जुर्माने की।।

बेंगलूरु को दुनिया का सबसे अच्छा रहने योग्य शहर बनाएंगे : सिद्दरामय्या

सिद्दरामय्या ने पेश किया अपना 17वां बजट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को विधानसभा में राज्य का बजट पेश करते हुए कई कार्यक्रमों की घोषणा की और कहा कि उनकी सरकार का प्राथमिक उद्देश्य बेंगलूरु को ''दुनिया का सबसे अच्छा रहने योग्य शहर'' बनाना है। उन्होंने 2026-27 का बजट पेश करते हुए कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले पांच नगर निगम अपनी बैलेंस शीट' (किसी कंपनी, संगठन या व्यक्ति की वित्तीय स्थिति का सारांश) के आधार पर 'नगर निगम बांड' जारी करके विकास कार्यों के लिए संसाधन जुटाएंगे। सिद्दरामय्या ने कहा, ''बेंगलूरु महज एक शहर नहीं बल्कि यह अनगिनत सपनों की भूमि है। नादप्रभु केम्पेगौड़ा के प्रशासन से लेकर आज की स्टार्टअप क्रांति तक, इस शहर ने अपनी अनूठी पहचान बरकरार रखी है। हमारी सरकार का प्राथमिक लक्ष्य बेंगलूरु को दुनिया का सबसे अच्छा रहने योग्य शहर बनाना है।'' उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के पांच नगर निगमों में वार्ड सड़कों और बुनियादी ढांचे के विकास का कार्य कुल 1,255 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेंगलूरु के लोगों को पारदर्शी, जनहितैषी, सहभागी और उत्तरदायी शासन प्रदान करने के लिए ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण और पांच निगमों की स्थापना की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2025-26 में राज्य सरकार ने बेंगलूरु के विकास के लिए अनुदान को 3,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7,000 करोड़ रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा, ''यह अनुदान चालू वर्ष में भी जारी रहेगा।''

माओवादियों का सफाया करने के कगार पर भारत : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंडाली (ओडिशा)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि देश इस महीने के अंत तक माओवादियों का सफाया करने के कगार पर है और सुरक्षा बल आंध्र प्रदेश के तिरुपति से नेपाल के पशुपति तक लाल गलियारा बनाने का सपना देखने वालों को पराजित करेंगे।

शाह ने कटक जिले के मुंडाली में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 57वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि सीआईएसएफ प्रमुख प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान करके देश की आर्थिक वृद्धि में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा, ''आज, मैं राष्ट्र को आश्वस्त करना चाहता हूं कि देश 31 मार्च तक माओवादियों से मुक्त हो जाएगा। हमारी सेनाएं तिरुपति से पशुपति तक लाल गलियारा बनाने का सपना देखने वालों को पराजित करेंगी।''

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकना सुरक्षा बलों के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा, ''हमारे सुरक्षा बल अपेक्षाओं पर खरे उतरे हैं और देश अब लाल विद्रोहियों का सफाया करने के कगार पर है।''

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बलों ने आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित की है जो किसी राष्ट्र की प्रगति के लिए सबसे महत्वपूर्ण तत्व है।

शाह ने कहा कि सीआईएसएफ जलाशयों और उद्योगों से लेकर संसद तक प्रमुख प्रतिष्ठानों को सुरक्षा प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस बल ने ''देश की आर्थिक वृद्धि के लिए उत्प्रेरक'' की भूमिका निभाई है।

ईडी ने रिलायंस पावर से जुड़े लोगों के खिलाफ छापेमारी की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के समूह की कंपनी 'रिलायंस पावर लिमिटेड' से जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ जांच के तहत मुंबई और हैदराबाद में कई स्थानों पर शुक्रवार को छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रिलायंस पावर ने अपने परिसर या कार्यालय में संघीय जांच एजेंसी द्वारा छापेमारी किए जाने की बात को पूरी तरह नकार दिया। अधिकारियों ने बताया कि इस कंपनी और उसके अधिकारियों से जुड़े लगभग 10-12 ठिकानों पर दोनों शहरों में छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि एजेंसी की करीब 15 टीम छापेमारी की कार्रवाई कर रही हैं। रिलायंस पावर ने 'स्टॉक एक्सचेंज' को दिए गए एक बयान में कहा कि ''हमारी जानकारी के अनुसार, कंपनी के किसी भी कार्यालय या परिसर में ऐसी कोई कार्रवाई नहीं की गई है।'' ईडी, कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन के मामले के तहत अनिल अंबानी से जुड़ी कई कंपनियों की जांच कर रही है और इसके साथ ही विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत वित्तीय अनियमितताओं की भी जांच की जा रही है।

ईरान और लेबनान पर इजराइल ने किए कई हमले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। इजराइल ने शुक्रवार को ईरान और लेबनान की राजधानियों पर हवाई हमले किए जबकि अमेरिका ने ईरान के युद्धपोतों के बेड़े के खिलाफ अपने निरंतर अभियान के तहत समुद्र में एक ईरानी ड्रोन वाहक पोत पर हमला किया।

ईरान ने पूरे सप्ताह चली बमबारी के बाद पश्चिम एशिया में फिर से जवाबी हमले शुरू कर दिए। इन हमलों के बारे में अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने चेतावनी दी कि बमबारी ''तेजी से बढ़ने वाली है''।

इजराइल की सेना ने शुक्रवार की सुबह कहा कि उसने ईरान की राजधानी तेहरान पर ''बड़े पैमाने पर हवाई हमले'' शुरू कर दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों ने इजराइली हवाई हमलों को बहुत तेज बताया, जिससे इलाके में स्थित कई आवासीय इमारतों में कंपन हुआ। अन्य लोगों ने ईरान के करमानशाह शहर के आसपास विस्फोटों की सूचना दी है।

ईरान के ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने तक कोई समझौता नहीं होगा : ट्रंप

दुबई/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पश्चिम एशिया में संघर्ष को समाप्त करने के लिए ईरान के साथ बातचीत की संभावना को खारिज करते हुए प्रतीत हो रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ईरान के ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने तक उसके साथ कोई समझौता नहीं होगा। ट्रंप ने कहा, उसके बाद, और एक महान एवं स्वीकार्य नेता के चयन के बाद, हम तथा हमारे कई अद्भुत और बहादुर सहयोगी एवं साझेदार ईरान को विनाश के कगार से वापस लाने के लिए अथक प्रयास करेंगे, और इसे आर्थिक रूप से पहले से कहीं अधिक बड़ा, बेहतर एवं मजबूत बनाएंगे।

शस्त्रविहीन जहाज को डुबोने पर ईरान ने कहा:

दंड से नहीं बचेगा अमेरिका

नई दिल्ली/भाषा। ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका और इजराइल के साथ ईरान का टकराव अब तेहरान के लिए 'अस्तित्व का युद्ध' बन गया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून के सिलसिले में 'मनमानी' करने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल ने 'पूरी तरह से झूठ' की बुनियाद पर ईरान पर हमला किया और तेहरान के पास इस आक्रामकता का 'आखिरी गोली तक' विरोध करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

पश्चिम एशिया में युद्ध तेज हो गया है जिससे एक बड़े क्षेत्रीय संघर्ष की आशंकाएं पैदा हो गई हैं। अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा श्रीलंका के तट के पास एक ईरानी युद्धपोत का डुबोए जाने का हवाला देते हुए खतीबजादेह ने चेतावनी दी कि ''बिना शस्त्र वाले जहाज पर हमले की सजा जरूर दी जाएगी।''

स्टालिन ने 2030 के लिए दृष्टिपत्र जारी किया, कहा

'देश को समतावादी बनना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को 'तमिलनाडु 2030' के लिए दृष्टिपत्र जारी किया, जिसमें 14 प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विकास को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि देश में समानता स्थापित होनी चाहिए और हर जगह सामाजिक न्याय रेखांकित होना चाहिए। स्टालिन ने कहा कि सभी राज्यों को स्व-स्वायत्तता मिलनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने नन्दंबक्कम स्थित चेन्नई ट्रेड सेंटर' में राज्य सरकार की पहल 'उंगा कनावु सोल्लुंगा' पर आयोजित एक चर्चा में कहा, यह केवल मुथुवेल करुणानिधि स्टालिन का सपना नहीं बल्कि जनता का सपना है। आकांक्षाओं की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिलावार कार्य योजनाएं तैयार की जाएंगी। उन्होंने कहा, हमारा देश समतावादी होना चाहिए। सामाजिक न्याय सर्वत्र होना चाहिए। सभी राज्यों को स्व-स्वामित्व मिलना चाहिए और सभी को सब कुछ मिलना चाहिए। यही तर्कवादी नेता पेरियार रामासामी और पूर्व मुख्यमंत्रियों सी.एन. अन्नादुरई व एम. करुणानिधि की भी आकांक्षा थी।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'इन सभी को साकार कर हम 2030 तक तमिलनाडु को एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बना देंगे। हम (द्रमुक) सत्ता में वापस आएंगे, बार-बार जीतेंगे। तमिलनाडु के विकास की इस यात्रा में हम किसी को भी पीछे नहीं छोड़ेंगे।'

राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में

लोग अंधकार की तरफ बढ़ रहे हैं : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोल्लम (केरल)/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि मौजूदा समय में राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों में लोग ''अंधकार की ओर बढ़ रहे हैं' और ज्ञान से दूर हो रहे हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि चाहे राजनीति हो या अंतरराष्ट्रीय संबंध, दूसरे व्यक्ति को समझने की कोई कोशिश नहीं की जा रही है और असहमति से मुकाबला करने के लिए हिंसा का सहारा लिया जा रहा है।

राहुल गांधी ने कहा, ''आज हम अपनी राजनीति में, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में देखते हैं कि हर कोई अंधकार की ओर भाग रहा है और ज्ञान से दूर जा रहा है। दूसरे व्यक्ति को समझने की कोई कोशिश नहीं की जाती है, आप बस उन्हें बम से उड़ा देते हैं और मार देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''हमारी राजनीति में भी ऐसा ही है। आप किसी से सहमत नहीं हैं, आप उस व्यक्ति पर हमला करते हैं या उनके प्रति हिंसक हो जाते हैं। वह यहां महात्मा गांधी और सुधारवादी संत श्री नारायण गुरु के बीच हुई मुलाकात के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और नारायण गुरु दोनों ऐसी हिंसा के खिलाफ थे और लोगों के बीच प्यार, सम्मान, क्षमा और समझ की पैरोकारी करते थे। राहुल गांधी के अनुसार, किसी के लिए भी नारायण गुरु की प्रतिमा या तस्वीर के सामने पुष्प अर्पित करना आसान है, लेकिन चुनौती उनकी शिक्षाओं का अनुसरण करने की है।

आंध्र प्रदेश शराब 'घोटाला' मामले में ईडी ने 441 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

अमरावती/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने आंध्र प्रदेश शराब घोटाले में शामिल विभिन्न आरोपियों की 441 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क कर ली है। यह घोटाला कथित तौर पर राज्य में पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान हुआ था। जब्त की गई संपत्तियों में मुख्य आरोपी केसिरेड्डी राजशेखर रेड्डी, उनके परिवार के सदस्यों और संबंधित संस्थाओं, अन्य आरोपियों जैसे बूनेटी चाणक्य और उनकी संबंधित संस्थाओं और रिश्तेदारों, और डोंथिरेड्डी वासुदेव रेड्डी की संस्थाओं के अलावा कुछ अन्य लोगों से संबंधित बैंक जमा, सावधि जमा, भूखंड और अन्य अचल संपत्तियां शामिल हैं। ईडी ने एक बयान में कहा कि 2019 के विधानसभा चुनावों के बाद, नवगठित राज्य सरकार (मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी नेता जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व में) ने आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एपीएसबीसीएल) द्वारा संचालित सरकारी खुदरा दुकानों (जीआरओ) के माध्यम से खुदरा शराब की दुकानों पर एकाधिकार स्थापित कर लिया।

जल संगम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बोम्मनहल्ली के एमिटी बेंगलूरु महाविद्यालय में सांस्कृतिक उत्सव 'जल संगम' का आयोजन किया गया जिसमें 35 से भी ज्यादा महाविद्यालयों के करीब 300 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। उत्सव में बौद्धिक, सृजनात्मक, सांस्कृतिक विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गौसेवक महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा, जब सपनों के साथ संकल्प जुड़ जाते हैं और उन सपनों को पूरा करने के लिए ईमानदारी से प्रयास होता है, प्रयास जब सपनों से ऊपर होता है तो सफलता स्वयं चलकर आपके पास आती है। महाविद्यालय के निर्देशक एस रामचंद्र ने मुणोत का सम्मान किया।

कर्नाटक में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में अब 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लग जाएगी। यह बड़ा फैसला कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने लिया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने यह ऐलान शुक्रवार को विधानसभा में 2026-27 के लिए बजट पेश करते हुए किया। उन्होंने कहा कि बच्चों में मोबाइल और सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के नकारात्मक प्रभावों को रोकने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह फैसला शिक्षा क्षेत्र में सुधार और बच्चों के समग्र विकास, मानसिक स्वास्थ्य और पढ़ाई के माहौल को बेहतर बनाने के उद्देश्य से किया गया है। पहले शिक्षा मंत्री मधु बांगारप्पा भी कह चुके थे कि सरकार स्कूली बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाने पर गंभीरता से विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए राज्य के 204 ब्लॉक रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) में से हर एक पर एक योग्य मानसिक स्वास्थ्य काउंसलर की नियुक्ति की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में ड्रग्स के उपयोग को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम, नियमों का पालन और छात्रों के लिए सपोर्ट सेंटर बनाए जाएंगे। शिक्षा सुधार के तहत, सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि 184 सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालयों को हाई स्कूल में अपग्रेड किया जाएगा और 50 हाई स्कूलों को प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज में बदला जाएगा। इसका उद्देश्य छात्रों को उच्च शिक्षा तक बेहतर पहुंच देना है। इसके अलावा, निजी स्कूलों के लिए मान्यता प्राप्त करने और उसे नवीनीकृत करने की प्रक्रिया भी ऑनलाइन आवेदन और दस्तावेज जमा करने के जरिए आसान बनाई गई है।

सरकारी स्कूलों में गुणवत्ता शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 800 स्कूलों को कर्नाटक पब्लिक स्कूल में अपग्रेड किया जाएगा। इनमें से 500 स्कूलों का विकास एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की मदद से होगा। 200 स्कूलों के लिए कल्याण कर्नाटक रीजन डेवलपमेंट बोर्ड (केकेआरडीबी) और 100 स्कूलों के लिए कर्नाटक माइनिंग एनवायरनमेंट रेस्टोरेशन कॉरपोरेशन (केएमईआरसी) की मदद ली जाएगी। इस योजना पर अगले तीन वर्षों में लगभग 3,900 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए 565 करोड़ रुपए नए क्लासरूम बनाने और स्कूलों, हाई स्कूलों और प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों की मरम्मत के लिए खर्च किए जाएंगे। साथ ही, 75 करोड़ रुपए शौचालय निर्माण और 25 करोड़ रुपए स्कूल फर्नीचर खरीदने के लिए अलग रखे गए हैं। सरकार 125 करोड़ रुपए स्कूलों और कॉलेजों के रखरखाव के लिए देगी और यह पैसा सीधे स्कूल और कॉलेज डेवलपमेंट कमेटियों को ट्रांसफर किया जाएगा। सरकारी प्राथमिक स्कूलों में द्विभाषी शिक्षा शुरू करने के लिए प्राथमिक स्कूल के शिक्षकों के लिए अंग्रेजी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसकी लागत 24 करोड़ रुपए होगी।

इसके अलावा, आईआईटी धारवाड़ के सहयोग से 8वीं से 12वीं कक्षा तक के लगभग 12.28 लाख छात्रों के लिए एआई आधारित डिजिटल लर्निंग ट्यूटर की सुविधा दी जाएगी। यह व्यक्तिगत डिजिटल सेल्फ-लर्निंग ट्यूटर छात्रों को उनकी जरूरत के हिसाब से पढ़ाई में मदद करेगा और इसकी अनुमानित लागत 5 करोड़ रुपए है। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि 2026-27 शैक्षणिक वर्ष में स्कूलों और कॉलेजों में 15,000 खाली शिक्षक पदों को भरा जाएगा।

हमने ऐसा कुछ नहीं किया जो राजकोषीय अनुशासन का उल्लंघन करता हो : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक सरकार ने विकास कार्यक्रमों और कल्याण गारंटी को जारी रखते हुए वित्तीय अनुशासन बनाए रखा है। राज्य विधानसभा में अपना 17वां बजट पेश करने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्य का आर्थिक प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से अधिक मजबूत रहा है और सरकार ने पांच गारंटी योजनाओं के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान किया है।

सिद्दरामय्या ने कहा, वित्तीय वर्ष 2026-27 का यह बजट कर्नाटक के विकास का समर्थन करता है। हमने ऐसा कुछ भी नहीं किया है जो राजकोषीय अनुशासन का उल्लंघन करता हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2025-26 के लिए कर्नाटक की विकास दर 8.1 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 7.4 प्रतिशत से अधिक है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपनी पांच गारंटी पर महत्वपूर्ण संसाधन खर्च किए हैं। सिद्दरामय्या ने राजकोषीय प्रबंधन का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम, 2003 के तहत निर्धारित मापदंडों के भीतर काम कर रहा है।

सरकार का प्राथमिक उद्देश्य बेंगलूरु को विश्व का 'सबसे अच्छा रहने योग्य शहर' बनाना है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को विधानसभा में राज्य का बजट पेश करते हुए कई कार्यक्रमों की घोषणा की और कहा कि उनकी सरकार का प्राथमिक उद्देश्य बेंगलूरु को ''दुनिया का सबसे अच्छा रहने योग्य शहर'' बनाना है। उन्होंने 2026-27 का बजट पेश करते हुए कहा कि ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण के अंतर्गत आने वाले पांच नगर निगम अपनी बैलेंस शीट' (किसी कंपनी, संगठन या व्यक्ति की वित्तीय स्थिति का सारांश) के आधार पर 'नगर निगम बांड' जारी करके विकास कार्यों के लिए संसाधन जुटाएंगे। सिद्दरामय्या ने कहा, ''बेंगलूरु महज एक शहर नहीं बल्कि यह अनगिनत सपनों की भूमि है। नादप्रभु केम्पेगौड़ा के प्रशासन से लेकर आज की स्टार्टअप क्रांति तक, इस शहर ने अपनी अनूठी पहचान बरकरार रखी है। हमारी सरकार का प्राथमिक लक्ष्य बेंगलूरु को दुनिया का सबसे अच्छा रहने योग्य शहर बनाना है।'' उन्होंने कहा कि बेंगलूरु के पांच नगर निगमों में वार्ड सड़कों और बुनियादी ढांचे के विकास का कार्य कुल 1,255 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेंगलूरु के लोगों को पारदर्शी, जनहितैषी, सहभागी और उत्तरदायी शासन प्रदान करने के लिए ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण और पांच निगमों की स्थापना की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2025-26 में राज्य सरकार ने बेंगलूरु के विकास के लिए अनुदान को 3,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7,000 करोड़ रुपये कर दिया है। उन्होंने कहा, ''यह अनुदान चालू वर्ष में भी जारी रहेगा।'' सिद्दरामय्या ने कहा कि सड़कों की दीर्घकालिक मजबूती के लिए अगले तीन वर्षों में 3,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 450 किलोमीटर से अधिक सड़कों की व्हाइट टॉपिंग' (सड़कों के ऊपर सीमेंट कंक्रीट की नयी परत बिछाना) की जाएगी। बेंगलूरु नगर निगम के आंतरिक संसाधनों का उपयोग करके अगले तीन वर्षों में 175 चौराहों का सौंदर्यीकरण, 500 किलोमीटर फुटपाथों का उन्नयन और 100 स्काईवॉक का निर्माण करने का प्रस्ताव है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि भविष्य में विकास और सतत भूमि उपयोग नियोजन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बेंगलूरु के लिए एक नया संशोधित मास्टर प्लान-2041 (आरएमपी) 2027 के अंत तक लागू किया जाएगा। इसके अलावा भविष्य की यातायात जरूरतों, जाम को कम करने और सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक कॉम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान (सीएमपी) छह महीने के भीतर तैयार किया जाएगा। 'नम्मा मेट्रो' देश का दूसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क है। वर्तमान में इसका परिचालन नेटवर्क 96 किलोमीटर में फैला है जिससे प्रतिदिन 10 लाख यात्रियों को लाभ मिलता है। उन्होंने कहा, ''अब तक हुए 67,460 करोड़ रुपये के व्यय में से राज्य का हिस्सा 59,376 करोड़ रुपये और केंद्र का हिस्सा 8,084 करोड़ रुपये है।

मेट्रो यात्रा

शुक्रवार को व्हाइटफील्ड काडुगोडी से विधान सौधा तक सीधे नम्मा मेट्रो ट्रेन से यात्रा करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार। इस मौके पर सचिव राजेंद्र चोलन और अन्य लोग उनके साथ थे।

शराब कराधान और नियामक ढांचे में व्यापक सुधारों की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को राज्य के शराब कराधान और नियामक ढांचे में व्यापक सुधारों की घोषणा की। इसमें शराब की मात्रा पर आधारित एक नया शुल्क ढांचा, मूल्य निर्धारण का विनियंत्रण और प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी प्रणाली शामिल है। उन्होंने 2026-27 के लिए आबकारी क्षेत्र से 45,000 करोड़ रुपये के राजस्व का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में राज्य का बजट पेश करते हुए कहा कि सरकार प्रदेश के दशकों पुराने आबकारी ढांचे का आधुनिकीकरण करेगी और पारदर्शिता, अनुपालन तथा कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए सुधार लागू करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्नाटक वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त कराधान प्रणाली अपनाएगा, जो आबकारी शुल्क को पेय पदार्थों में अल्कोहल की मात्रा से जोड़ती है।

सिद्दरामय्या ने अर्थव्यवस्था को बदहाल स्थिति की ओर धकेल दिया : कुमारस्वामी का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर निशाना साधते हुए कहा कि भले ही वह अपने 17वें बजट की प्रस्तुति का जश्न मना रहे हों लेकिन इसके दुष्परिणामों का बोझ राज्य की जनता पर ही पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने राज्य की अर्थव्यवस्था को बदहाल स्थिति की ओर धकेल दिया है।कुमारस्वामी ने सिद्दरामय्या द्वारा प्रस्तुत बजट को सुनने में कठोर और राज्य पर भारी' बताते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने एक बार फिर केंद्र सरकार की अनावश्यक आलोचना करने का विकल्प चुना है।

कुमारस्वामी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ऐसा कर उन्होंने (सिद्दरामय्या) सहकारी संघवाद के मूल सिद्धांतों की ही अनदेखी कर दी है और अपनी सरकार के त्रुटिपूर्ण मॉडल का महिमामंडन करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, मैंने सिद्धरमैया का लंबा बजट भाषण सुना। भले ही वह अपने 17वें बजट की प्रस्तुति का जश्न मना रहे हों लेकिन कर्नाटक की जनता को इसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे। रिकॉर्ड बनाने की होड़ में सिद्दरामय्या ने राज्य की अर्थव्यवस्था को बदहाल कर दिया है। केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार के कांग्रेस कार्यकर्ताओं के संरक्षण केंद्र में तब्दील होने का आरोप लगाया, जहां सार्वजनिक ऋण उनकी जेबों में जा रहा है। कुमारस्वामी ने कहा, इस सरकार पर भरोसा कर वोट देने की अपनी गलती के कारण कर्नाटक की जनता अब विनाशकारी बजट के माध्यम से स्थायी ऋण जाल में फंसती जा रही है।

सिद्दरामय्या ने अल्पसंख्यकों के लिए शिक्षा, कल्याण और बुनियादी ढांचे से संबंधित कई पहल का ऐलान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को राज्य में अल्पसंख्यक समुदायों के लिए शिक्षा, कल्याण और अवसंरचना संबंधी कई पहलों की घोषणा की। इनमें नए आवासीय विद्यालय, छात्रावास, प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना और आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रम शामिल हैं। विधानसभा में राज्य का बजट प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अल्पसंख्यक छात्रों और समुदायों के लिए शैक्षिक अवसंरचना और सामाजिक सहायता प्रणालियों का विस्तार करेगी और उद्यमिता तथा कौशल विकास को बढ़ावा देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार छात्रों के लिए छात्रावास सुविधाओं में वृद्धि करेगी और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मौजूदा आवासीय संस्थानों को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, ''उच्च मांग वाले जिलों में 150 छात्रों की क्षमता वाले 10वीं बाद के 25 नए छात्रावास शुरू किए जाएंगे। मौजूदा 25 छात्रावासों में छात्रों की संख्या में 50 की वृद्धि की जाएगी।'' सिद्दरामय्या ने अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों की उच्च मांग को पूरा करने के लिए 'सीबीएसई पाठ्यक्रम' के साथ 10 संत शिशुनाला शरीफ आवासीय विद्यालयों की स्थापना की घोषणा की। चालू वित्त वर्ष में इसके लिए 10 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 2026-27 में 25 नए संत शिशुनाला शरीफ आवासीय विद्यालय शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि 117 मौलाना आजाद मॉडल स्कूलों और उर्दू स्कूलों को 600 करोड़ रुपये की लागत से कर्नाटक पब्लिक स्कूलों के रूप में उच्चीकृत करने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि चालू वर्ष में इसी मॉडल के तहत 400 करोड़ रुपये की लागत से अतिरिक्त 100 स्कूलों को उच्चीकृत किया जाएगा।

सिद्दरामय्या ने बताया कि सरकार ने जैन, बौद्ध और सिख समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने बौद्ध समुदाय के धम्मचारियों को 6,000 रुपये मासिक मानदेय देने की घोषणा की।

सिद्दरामय्या ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी अल्पसंख्यक छात्रों में तकनीकी और उन्नत डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 5,000 छात्रों को लैपटॉप खरीदने के लिए 50,000 रुपये प्रति छात्र की दर से दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वक्फ संस्थानों के अंतर्गत आने वाले 31 महिला माध्यमिक विद्यालयों को महाविद्यालय में उच्चीकृत किया जाएगा। इसके अलावा, सावनूर में एक नया महिला माध्यमिक विद्यालय शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि उच्च मांग वाले व्यावसायिक क्षेत्रों में स्थित वक्फ संपत्तियों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत विकसित किया जाएगा। भाजपा ने अल्पसंख्यकों के लिए बजटीय प्रावधानों की कड़ी आलोचना की। भाजपा की कर्नाटक इकाई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह राज्य का दुर्भाग्य है कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार, जिसने तुष्टीकरण की राजनीति को अपना अंतिम लक्ष्य बना लिया है, ने राज्य के खजाने का एक बड़ा हिस्सा केवल अपने वोट बैंक को बचाने के लिए आवंटित कर दिया है।''

कर्नाटक पुलिस ने खत्म की 'अर्दली व्यवस्था'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस आदेश में निर्देश दिया गया है कि वर्तमान में अर्दली के रूप में तैनात पुलिसकर्मियों को तत्काल कार्यमुक्त किया जाए और संबंधित कमांडेंट, पुलिस उपायुक्तों, पुलिस उपाधीक्षकों और निरीक्षकों को अपने-अपने इकाई के प्रमुखों को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने विभाग में लंबे समय से चली आ रही 'अर्दली व्यवस्था' को समाप्त करने का आदेश जारी किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। 'अर्दली व्यवस्था' एक औपनिवेशिक विरासत है। इसमें पुलिस या सशस्त्र बलों के निचले स्तर के कर्मियों को वरिष्ठ अधिकारियों के निजी घरेलू कार्यों के लिए उनके आवास पर तैनात किया जाता है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एवं पुलिस महानिरीक्षक एम ए सलीम द्वारा 19 फरवरी को एक आदेश जारी कर यह जानकारी दी गयी। अधिकारियों के मुताबिक डीजीपी का यह आदेश सरकार के उस निर्देश के बाद आया है जिसमें उस प्रणाली को संशोधित करने के लिए कहा गया था जिसके तहत पुलिस बल के कर्मचारियों को वरिष्ठ अधिकारियों के व्यक्तिगत कार्यों को पूरा करने के लिए नियुक्त किया जाता था। अधिकारियों ने कहा कि इन गैर-पुलिसिंग कार्यों में अक्सर खाना पकाना, सफाई करना, अन्य घरेलू काम और यहां तक कि अधिकारियों के बच्चों को घर छोड़ना भी शामिल होता था। उन्होंने कहा कि नए आदेश का उद्देश्य पुलिसकर्मियों को निजी सहायकों के रूप में तैनात करने की प्रथा को समाप्त करना और इसके बजाय उन्हें पुलिसिंग के मुख्य कर्तव्यों के लिए उपयोग में लाना है।

डीजीपी के आदेश के अनुसार, सिविल पुलिस में 373 अनुचर (सहायक) पद सृजित किए गए हैं, बशर्ते कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस से इतने ही पद समाप्त कर दिए जाएं। इसमें कहा गया है कि जब तक भर्ती नियमों को अधिसूचित नहीं किया जाता और नियुक्तियां नहीं की जातीं, तब तक इन पदों के लिए कर्मियों को आउटसोर्सिंग के आधार पर नियुक्त किया जाएगा और उनका वेतन न्यूनतम मजदूरी मानदंडों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा। इस आदेश में निर्देश दिया गया है कि वर्तमान में अर्दली के रूप में तैनात पुलिसकर्मियों को तत्काल कार्यमुक्त किया जाए और संबंधित कमांडेंट, पुलिस उपायुक्तों, पुलिस उपाधीक्षकों और निरीक्षकों को अपने-अपने इकाई के प्रमुखों को अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

आदेश के अनुसार, जिन अधिकारियों के साथ अब पुलिसकर्मियों को अर्दली के रूप में तैनात नहीं किया जाएगा, उन्हें ऐसे कर्मचारियों के बदले मासिक भत्ता प्रदान किया जाएगा। यह मासिक भत्ता कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के लिए 8,000 रुपये प्रति माह से लेकर अन्य के लिए 2,000 रुपये तक हो सकता है।

होली पर यशवंतपुर और कटिहार के बीच स्पेशल ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति में होली के त्यौहार के बाद यात्रियों की आरामदायक यात्रा के लिए, दक्षिण पश्चिम रेलवे यशवंतपुर और कटिहार के बीच हर तरफ चार ट्रिप वाली एक स्पेशल ट्रेन चलाएगा। ट्रेन नंबर 06571 यशवंतपुर-कटिहार स्पेशल 10, 17, 24 और 31 मार्च मंगलवार को यशवंतपुर से सुबह 7 बजे निकलेगी और गुरुवार को सुबह 04:30 बजे कटिहार पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन नंबर 06572 कटिहार-यशवंतपुर स्पेशल 13, 20, 27 मार्च और 03 अप्रैल, शुक्रवार को कटिहार से सुबह 05:15 बजे निकलेगी और रविवार को सुबह 04:00 बजे यशवंतपुर पहुंचेगी। रास्ते में, ट्रेन दोनों दिशाओं में यलहंका, हिंदूपुर, धर्मावरम जंक्शन, अनंतपुर, गुत्ती जंक्शन, धोने, नंद्याल जंक्शन, मरकापुर रोड, नरसारावपेट, गुंटूर जंक्शन, विजयवाड़ा जंक्शन, राजमुंदरी, विजयनगरम जंक्शन, श्रीकाकुलम रोड, पलासा, ब्रह्मपुर, बालूगांव, खुर्दा रोड जंक्शन, भुवनेश्वर, कटक, भद्रक, बालेश्वर,

खड़गपुर, अंदुल, दानकुनी, बोलपुर (शांतिनिकेतन), रामपुर हाट, पाकुड़, मालदा टाउन, समसी और कुमेदपुर स्टेशनों पर रुकेगी। स्पेशल ट्रेन में 20 कोच होंगे, जिसमें एक दो टियर एसी, 3 थ्रीटियर एसी, 9 स्लीपर क्लास, 5 जनरल सेकंड क्लास और 2 एसएलआर/डी कोच होंगे।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण फंसे कर्नाटक के 50 यात्री नई दिल्ली पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच खाड़ी क्षेत्र में फंसे कर्नाटक के 50 यात्री संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह से रवाना होकर शुक्रवार तड़के नई दिल्ली पहुंच गए। यह जानकारी कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के कार्यालय ने दी। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, कर्नाटक सरकार की प्रोटोकॉल टीम नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों के स्वागत के लिए मौजूद थी और उनके लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई थी।

यात्रियों को कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस (केएसआरपी) की एक बस और दो कारों के जरिए घरेलू टर्मिनलों तक पहुंचाया गया, जहां से वे बेंगलूरु, मंगलूरु और हुब्बली की अपनी आगे की यात्रा के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि कई यात्री नाराज दिखे और उन्होंने टीम से शिकायत की कि विदेश मंत्रालय ने उनकी मदद के लिए कुछ नहीं किया और टिकट सहित अन्य व्यवस्थाएं एक स्थानीय संगठन की मदद से हुईं। बयान में यह भी कहा गया कि संयोग से अब तक दिल्ली हवाई अड्डे पर इस तरह की सहायता उपलब्ध कराने वाला कर्नाटक एकमात्र राज्य है।

एएआई से तकनीकी सलाह के बाद बेंगलूरु के लिए विकसित किया जायेगा दूसरा हवाई अड्डा : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को 2026-27 का बजट पेश करते हुए कहा कि बेंगलूरु के लिए एक अन्य हवाई अड्डा विकसित किया जाएगा, ताकि शहर के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भीड़-भाड़ को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) से तकनीकी सलाह मिलने के बाद व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''देश के तीसरे सबसे बड़े हवाई अड्डे के रूप में उभरे केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भीड़ कम करने के लिए बेंगलूरु में एक अन्य हवाई अड्डा विकसित किया जाएगा, जिसके लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण से तकनीकी सलाह मिलने के बाद व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की जाएगी।'' एएआई अधिकारियों ने बेंगलूरु के दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए चयनित तीनों स्थलों का दौरा कर लिया है। राज्य सरकार ने तीन स्थानों का चयन किया था जिनमें दो हारोहल्ली के पास कनकपुरा रोड पर हैं और एक नेलमंगला में कुनिगल रोड पर है। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि सरकार ने राज्य में सात घरेलू हवाई अड्डों के विकास के लिए अब तक 1,593 करोड़ रुपये का अनुदान जारी किया है।

सिद्दरामय्या ने पेश किया अपना 17वां बजट, केंद्र पर लगाया अन्याय का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को अपना 17वां बजट पेश करते हुए कहा कि संविधान के अनुसार संघीय शासन व्यवस्था का पालन न करके केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार एक ऐसी विकास रणनीति पर चल रही है, जो बुनियादी ढांचे और दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन में निवेश के साथ ही कल्याणकारी कार्यक्रमों के बीच संतुलन बनाती है। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार से राज्य की मांगों के प्रति अधिक संवेदनशील होने का आग्रह किया।

वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश करते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि कर्नाटक देश के विकास में सबसे आगे है और देश के कर राजस्व में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमारा राज्य राष्ट्र के विकास के सभी क्षेत्रों में अग्रणी है। यह उन प्रमुख राज्यों में से एक है, जो उच्चतम कर राजस्व का योगदान करते हैं।'' सिद्दरामय्या ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए कुल व्यय 4,48,004 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। उनके राजनीतिक जीवन का यह 17वां बजट है।उन्होंने कावेरी नदी पर मेकेदातू संतुलन जलाशय परियोजना को पूरा करने की राज्य की प्रतिबद्धता दोहराई और 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा, ''प्रचुर मात्रा में दूध देने वाली गाय को उचित देखभाल की आवश्यकता होती है। यह भीष्म का दर्शन है कि यदि वह कमजोर हो जाती है, तो पूरा चरवाहा समुदाय पीड़ित होता है।''

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को इसे पहचानना चाहिए और राज्य की मांगों पर संवेदनशीलता से जवाब देना चाहिए। सिद्दरामय्या ने भारत जैसे विविध देश के लिए सहकारी संघवाद के महत्व पर भी जोर दिया। सिद्दरामय्या ने कहा कि सरकार ने पूंजी निवेश, बुनियादी ढांचे के विकास और दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन पर भी ध्यान केंद्रित किया है। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी आर्थिक वृद्धि जो मानव विकास में निवेश की उपेक्षा करती है, वह न केवल अस्थिर है बल्कि अनैतिक भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य के विकास के लिए '11जी मॉडल' के रूप में वर्णित कर्नाटक विशिष्ट आर्थिक ढांचा विकसित कर रही है। उनके अनुसार इस मॉडल में जनकल्याण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाली गारंटी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सभी की पहुंच के लिए अच्छी सार्वजनिक शिक्षा, व्यापक स्वास्थ्य देखभाल के जरिये सभी के लिए अच्छा स्वास्थ्य, कृषि और ग्रामीण विकास पर केंद्रित जमीनी स्तर की अर्थव्यवस्था और जन-हितैषी प्रशासन के माध्यम से सुशासन जैसे घटक शामिल हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि इस मॉडल में श्रम कल्याण के लिए 'गिग इकोनॉमी' पहल, क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने के लिए भौगोलिक समानता, व्यापार और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक व्यापार अर्थव्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण अनुकूल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वाली हरित अर्थव्यवस्था और टिकाऊ शहरी विकास का समर्थन करने वाली बढ़ती शहरी अर्थव्यवस्था शामिल है।

ಕಾರ್ಯಪಾಲಕ ಅಭಿಯಂತರರವರ ಕಛೇರಿ,
ಲೋಕೋಪಯೋಗಿ ಇಲಾಖೆ, ವಿದ್ಯುತ್ ವಿಭಾಗ, ಕೆ.ಆರ್. ವೃತ್ತ, ಬೆಂಗಳೂರು.
ಸಂ: ಕಾ.ಇಂ(ವಿ)/ಲೋ.ಇ/ವಿದ್ಯುತ್/2025-26/2886 ದಿನಾಂಕ: 06.03.2026

ಅಲ್ಪಾವಧಿ ಟೆಂಡರ್ ಪ್ರಕಟಣೆ

ಕಾರ್ಯಪಾಲಕ ಅಭಿಯಂತರರು (ವಿದ್ಯುತ್), ಲೋಕೋಪಯೋಗಿ ವಿದ್ಯುತ್ ವಿಭಾಗ, ಬೆಂಗಳೂರು ಇವರ ವತಿಯಿಂದ ಈ ಕೆಳಕಂಡ ಕಾಮಗಾರಿಗೆ KW-1 STD ಷರತ್ತುಗೊಳಪಟ್ಟಂತೆ, ಕೆ.ಪಿ.ಪಿ.ಪಿ ಮೂಲಕ ಟೆಂಡರ್ ಆಹ್ವಾನಿಸಲಾಗಿದೆ. ಕಾಮಗಾರಿಯ ವಿವರ ಈ ಕೆಳಕಂಡಂತಿದೆ.

ಕ್ರ ಸಂ.	ಕಾಮಗಾರಿಯ ಹೆಸರು	ಟೆಂಡರಿಗಿಟ್ಟ ಮೊತ್ತ (ರೂ. ಲಕ್ಷಗಳಲ್ಲಿ)
1	Providing Microphone with Long Stem at Cabinet Hall Third Floor, Vidhana Soudha, Bengaluru. PWD/2025-26/EL/WORK_INDENT34384	Rs. 16.58

ಮೇಲಿನ ಟೆಂಡರ್‌ನಲ್ಲಿ ಭಾಗವಹಿಸಲು ಇಚ್ಛಿಸುವವರು ವೆಬ್‌ಸೈಟ್ https://kppp.karnataka.gov.inನಲ್ಲಿ ಟೆಂಡರ್ ಡಾಕ್ಯೂಮೆಂಟ್‌ಗಳನ್ನು ಡೌನ್‌ಲೋಡ್ ಮಾಡಿಕೊಳ್ಳುವ **ದಿನಾಂಕ: 06.03.2026 ರಿಂದ 13.03.2026, 16.00 ಗಂಟೆಯವರೆಗೆ** ಹಾಗೂ ಭರ್ತಿ ಮಾಡಿದ ಟೆಂಡರ್ ಹಿಂತಿರುಗಿಸುವ **ದಿನಾಂಕ: 13.03.2026 ರಂದು 16.00 ಗಂಟೆಯವರೆಗೆ** ನಿಗದಿಪಡಿಸಲಾಗಿದೆ. ಸದರಿ ಟೆಂಡರ್ ವಿವರಗಳನ್ನು ಕೆಪಿಪಿ ಪೋರ್ಟಲ್‌ನಲ್ಲಿ ಪಡೆಯಬಹುದಾಗಿದೆ. ಹೆಚ್ಚಿನ ವಿವರಗಳಿಗೆ ಈ ಕೆಳಗೆ ಸಹಿ ಮಾಡಿರುವ ಅಧಿಕಾರಿಗಳ ಕಛೇರಿಯಲ್ಲಿ ಕೆಲಸದ ವೇಳೆಯಲ್ಲಿ ಸಂಪರ್ಕಿಸಬಹುದು.

ಸಹಿ/- ಕಾರ್ಯಪಾಲಕ ಅಭಿಯಂತರರು(ವಿ).
ವಾಸಾಸಂಇ/ಉನಿ-ಸಿ.ಪಿ/6054/ಕೆಎಸ್‌ಎಂಸಿಎ/2025-26

दक्षिण पश्चिम रेलवे
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

निविदा सूचना सं. एसडब्ल्यूआर-आरएसपी-एलसी-22-आरओबी-06 दिनांक: 26.02.2026

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
1	चिकजाजुर-रायदुर्ग	₹32,51,54,157.10/-

सेक्शन- मैसूर डिविजन के चित्रदुर्ग-बेलेनाहल्ली स्टेशनों के बीच एलसी नं. 22 के स्थान पर किमी. 33/700-800 पर 2 लेन आरओबी का प्रस्तावित निर्माण (संयुक्त कार्य)।

निविदा सूचना सं. एसडब्ल्यूआर-आरएसपी-एलसी-01-आरओबी-05 दिनांक: 26.02.2026

2	चिकजाजुर-रायदुर्ग	₹25,15,39,870.54/-

सेक्शन-मैसूर डिविजन के चित्रदुर्ग-अमृतपुरा स्टेशनों के बीच एलसी नं. 01 के स्थान पर किमी. 01/100-200 पर 2 लेन आरओबी का प्रस्तावित निर्माण।

निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि: 23.03.2026 को 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in
उप मुख्य अभियंता/आरओबी
PUB/957/AAD360/PRB/SWR/2025-26 हुब्बल्लि

रेलवन भारतीय रेल का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। यात्रीगण आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और सीजन पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्टेटस चेक कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। रेलवन ऐप डाउनलोड करें, डिजिटल भुगतान का उपयोग करके अनारक्षित टिकट बुक करें और 3 प्रतिशत तक छूट का लाभ उठाएं।
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

ई-निविदा सूचना सं. वाई-ई-29-2025-26-98 दिनांक: 27.02.2026

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित मूल्य
1	मोसेल होसाहल्लि,	₹24,71,462.02/-

माविणकेरे और करदी पर प्लेटफॉर्म विस्तार के लिए ओएचई सुधार।

ई-निविदा सूचना सं. वाई-ई-29-2025-26-99 दिनांक: 27.02.2026

2	मैसूर एयरपोर्ट आबंटन:	₹3,54,00,000/-

00873521 (सीएन/बीएनसी) के नजदीक रेलवे लाइन पर रिजिड ओवरहैड केटेनरी सिस्टम (आरओसीएस) का प्रावधान

निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 23.03.2026 को 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/मैसूरू
PUB/960/AAD360/PRB/SWR/2025-26

रेलवन भारतीय रेल का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। यात्रीगण आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और सीजन पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्टेटस चेक कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। रेलवन ऐप डाउनलोड करें, डिजिटल भुगतान का उपयोग करके अनारक्षित टिकट बुक करें और 3 प्रतिशत तक छूट का लाभ उठाएं।
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

भाजपा ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के 17वें बजट के खिलाफ खाली 'चंबू' प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को यह कहते हुए 'खाली चंबू' विरोध प्रदर्शन किया कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा प्रस्तुत बजट एक खाली बर्तन है, जिसमें जनता को देने के लिए कुछ भी नहीं है। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा, विधानपरिषद सदस्य एन रविकुमार, विधायक अरविंद बेलाड और वी सुनील कुमार समेत पार्टी विधायकों ने 'खाली चंबू' (खाली बर्तन) लेकर विधान सौधा परिसर में मार्च निकाला। बजट की निंदा करते हुए प्रदर्शनकारियों ने सिद्दरामय्या का बजट 'खाली चंबू है' जैसे नारे लगाए।

अशोक ने यहां पत्रकारों कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार उधार के पैसे पर विलासितापूर्ण जीवन जीने के दर्शन में विश्वास करती है। उन्होंने कहा,यह बजट नीरस है। इसमें कोई नई परियोजना नहीं है। एकमात्र नई परियोजना है और वह है और अधिक कर्ज लेना। अशोक ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में राज्य ने जनता पर 4.39 लाख करोड़ रुपये का कर्ज और चढ़ा दिया है। भाजपा नेता ने कहा कि आने वाली सरकारें मूलधन तो दूर, ब्याज भी चुकाने में सक्षम नहीं होंगी और राजकोषीय घाटा 97,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। अशोक ने आरोप लगाया, अगर सिद्दरामय्या अगले दो साल तक मुख्यमंत्री बने रहते हैं, तो हमारा कर्ज 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। उनकी सरकार का कर्ज पिछले सभी मुख्यमंत्रियों की तुलना में 10 गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में नई सिंचाई परियोजनाओं, गड्ढों और कचरा संकट का कोई जिक्र नहीं है।

जातिगत भेदभाव पर अंकुश लगाने के लिए रोहित वेमुला विधेयक को पारित करेगी सरकार : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को घोषणा की कि राज्य में सभी सरकारी, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों में छात्रों के खिलाफ जाति आधारित उत्पीड़न को रोकने के लिए रोहित वेमुला विधेयक को पारित करके इसे लागू करेगी। पिछले साल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सिद्दरामय्या को पत्र लिखकर उनकी सरकार से रोहित वेमुला के नाम पर एक कानून लाने का आग्रह किया था। रोहित वेमुला एक दलित विद्यार्थी थे जिन्होंने 2016 में तेलंगाना में कथित भेदभाव के कारण आत्महत्या कर ली थी।रोहित वेमुला विधेयक के मसौदे पर 26 फरवरी को कैबिनेट बैठक में चर्चा हुई थी। इसके बाद यह निर्णय लिया गया कि गृह विभाग से कुछ सुझाव प्राप्त करने के बाद इसे अंतिम रूप देने के लिए अगली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा। राज्य का बजट पेश करते हुए सिद्दरामय्या ने कहा, ''राज्य के सभी सरकारी, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों में छात्रों के खिलाफ जाति आधारित उत्पीड़न को रोकने के लिए रोहित वेमुला विधेयक लागू किया जाएगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि नेतृत्व, जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए राज्य के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव फिर से शुरू किए जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि विश्वेश्वरैया इंजीनियरिंग महाविद्यालय (यूवीसीई) का विकास आईआईटी की तर्ज पर 500 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार पहले ही 100 करोड़ रुपये उपलब्ध करा चुकी है और चालू वर्ष में भी 100 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

ಕಾರ್ಯಪಾಲಕ ಅಭಿಯಂತರರು
ಲೋಕೋಪಯೋಗಿ ಇಲಾಖೆ
ನಂ.1 ಕಟ್ಟಡಗಳ ವಿಭಾಗ, ಎಸ್.ಜೆ.ಪಿ. ಆವರಣ, ಬೆಂಗಳೂರು.
ದೂರವಾಣಿ: 080-22255210
ಸಂಖ್ಯೆ: ಕಾಅ/ಕವಿ.1/ಎಇ-1 & 2/ಎಲ್‌ಹೆಚ್-ವಿವಿಟಿ/2025-26/81 ದಿನಾಂಕ: 05.03.2026

ಟೆಂಡರ್‌ಗಾಗಿ ಆಹ್ವಾನ (ಐಎಫ್‌ಟಿ)

ಮೇಲ್ಕಂಡ ಇಲಾಖೆಯು ಬೆಂಗಳೂರಿನ ಸೂಚಿತ ಸ್ಥಳಗಳಲ್ಲಿ ಪೇಂಟಿಂಗ್, ಪ್ಲಾಸ್ಟರ್ ಪ್ಯಾಚಸ್ ಒದಗಿಸುವುದು, ವಾಟರ್ ಪ್ರೂಫಿಂಗ್, ಕರ್ಟನ್ ರಾಡ್‌ಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸುವುದು, ಶೌಚಾಲಯಗಳ ನವೀಕರಣ, ವಾಲ್ ಟೈಲ್ಸ್, ಫ್ಲೋರ್ ಟೈಲ್ಸ್ ಒದಗಿಸುವುದು, ವಾರ್ಡ್‌ರೋಬ್ ದುರಸ್ತಿ, ಅಲ್ಯೂಮಿನಿಯಂ ಕೆಲಸಗಳು, ಸೊಳ್ಳೆಪರದೆ ಒದಗಿಸುವುದು, ಬಾಗಿಲು ಹಾಗೂ ಕಿಟಕಿಗಳ ದುರಸ್ತಿ, ಸ್ಟೀಲ್ ಸ್ಟ್ಯಾಂಡ್ ಒದಗಿಸುವುದು, ಓವರ್‌ಹೆಡ್ ವಾಟರ್ ಟ್ಯಾಂಕ್ ಒದಗಿಸುವುದು, ಸ್ಯಾನಿಟರಿ ಫಿಟ್ಟಿಂಗ್, ಅಡುಗೆಮನೆ ನವೀಕರಣ, ಫಿಟ್ಟಿಂಗ್, ಪಾಲಿಷಿಂಗ್ ಕೆಲಸಗಳು, ಗ್ರೂಟಿಂಗ್, ಕ್ರ್ಯಾಕ್ ಫಿಲ್ಲಿಂಗ್, ವುಡನ್ ಪಾರ್ಟೀಷನ್‌ಗಳ ಪಾಲಿಷಿಂಗ್ ಕಾಮಗಾರಿಗಳು ಮತ್ತು ಇತರೆ ಅಭಿವೃದ್ಧಿ ಕಾಮಗಾರಿಗಳು ಸೇರಿದಂತೆ **ಒಟ್ಟು 33 ಕಾಮಗಾರಿಗಳಿಗೆ** ಅರ್ಹ ಟೆಂಡರ್‌ದಾರರಿಂದ ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರದ ಇ-ಪ್ರೊಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್ ಪೋರ್ಟಲ್ (https://kppp.karnataka.gov.in) ಮೂಲಕ ಟೆಂಡರ್‌ಗಳನ್ನು ಆಹ್ವಾನಿಸಿದೆ. ಕಾಮಗಾರಿಗಿಟ್ಟ ಅಂದಾಜು ಮೊತ್ತ: **ಕನಿಷ್ಠ ರೂ. 2.37 ಲಕ್ಷಗಳು, ಗರಿಷ್ಠ ರೂ. 40.70 ಲಕ್ಷಗಳು.** ಇಎಂಡಿ: **ಕನಿಷ್ಠ ರೂ. 1,100/-, ಗರಿಷ್ಠ ರೂ. 64,600/-.** ಪ್ರತೀ ಕಾಮಗಾರಿಯ ಕಾಲಾವಧಿ: **ತಲಾ 2 ತಿಂಗಳು (ಮಳೆಗಾಲ ಸೇರಿದಂತೆ).** ದಸ್ತಾವೇಜು ಬೆಲೆ: ಕೆಪಿಪಿ ಪೋರ್ಟಲ್‌ನಲ್ಲಿ ತಿಳಿಸಿರುವಂತೆ. ಟೆಂಡರ್‌ಗಳನ್ನು ಇ-ಪ್ರೊಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್ ಪೋರ್ಟಲ್ ಮೂಲಕ ಡೌನ್‌ಲೋಡ್ ಮಾಡಿಕೊಂಡು ಆನ್‌ಲೈನ್‌ನಲ್ಲಿ ಸಲ್ಲಿಸಲು ಕೊನೆಯ **ದಿನಾಂಕ: 13.03.2026, ಸಂಜೆ 4.00 ಗಂಟೆಯೊಳಗೆ,** ಟೆಂಡರ್‌ಗಳನ್ನು ತೆರೆಯುವ ದಿನಾಂಕ: ಇ-ಪ್ರೊಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್ ಪೋರ್ಟಲ್‌ನಲ್ಲಿ ತಿಳಿಸಿರುವಂತೆ. ಕಾಮಗಾರಿಯ ಸಂಕ್ಷಿಪ್ತ ವಿವರಗಳು, ಅಂದಾಜು ಮೊತ್ತ, ಇಎಂಡಿ, ಮೀಸಲಾತಿ ಮತ್ತು ಇತರೆ ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಯನ್ನು ಮೇಲ್ಕಂಡ ಕಚೇರಿಯಿಂದ ಅಥವಾ ಇ-ಪ್ರೊಕ್ಯೂರ್‌ಮೆಂಟ್ ಪೋರ್ಟಲ್ https://kppp.karnataka.gov.in ಮೂಲಕ ಪಡೆಯಬಹುದು.

ವಾಸಸಂಇ/ಉನಿ-ಸಿ.ಪಿ/6046/ಕೆಎಸ್‌ಎಂಸಿಎ/2025-26 ಸಹಿ/-ಕಾರ್ಯಪಾಲಕ ಅಭಿಯಂತರರು.

दक्षिण पश्चिम रेलवे
खुली निविदा सूचना सं. 04/एसबीसी/26 ऑफ 26.02.2026
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित मूल्य
1	बेंगलुरु-सैंपिगे सड़क	₹10,87,46,744

खंड: सहायक मंडल अभियंता/यशवंतपुर उपमंडल के अधीन मल्लासंद्रा (एमएलएसए) और गुब्बी (जीबीबी) स्टेशनों के बीच किमी 81/500-600 पर एलसी नं. 48 के स्थान पर आरयूबी (7.5x4.65 मीटर) और यू-आकार आरसीसी रिटेनिंग वाल का प्रस्तावित निर्माण। रखरखाव अवधि 12 माह है। (दो पैकेट)

2	उप कार्य 1: बेंगलुरु-	₹8,55,14,060

सलेम: मंडल अभियंता/दक्षिण/बेंगलुरु के अधिकार क्षेत्र में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/पी.वे/धर्मपुरी (उत्तर) खंड के अधीन 5 वर्ष की अवधि के लिए 39 कर्व पर ट्रैक माउंटेड स्वचालित गेज फेस लुब्रिकेटर्स की आपूर्ति, स्थापना, चालू करना और रखरखाव।
उप कार्य 2: चिक्का बनवारा - हासन खंड: मंडल अभियंता/दक्षिण/बेंगलुरू के अधिकार क्षेत्र में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/पी.वे/होसुर खंड में 29 कर्व और मंडल अभियंता/पी.वे/ चन्नरायपटना खंड में 1 कर्व पर ट्रैक माउंटेड स्वचालित गेज फेस लुब्रिकेटर्स की आपूर्ति, स्थापना, चालू करना और रखरखाव (सर्विस निविदा) (2 पैकेट)

3	मंडल अभियंता/दक्षिण/	₹9,18,01,141

बेंगलुरु खंड: वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/पी.वे/होसुर खंड में टाइप 2-15 संख्या और टाइप 3-15 संख्या स्टाफ क्वार्टरों का निर्माण जिसमें विद्युत भाग भी शामिल है। रखरखाव अवधि 36 माह है।

4	केएसआर बेंगलुरु: एमजी	₹9,18,15,193

कॉलोनी क्रिकेट मैदान के पास केएसआर बेंगलुरु में विद्युत भाग सहित स्पोर्ट्स कॉम्प्लैक्स का प्रस्तावित निर्माण। रखरखाव अवधि 36 माह है (समग्र निविदा)।

निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय: 23.03.2026 को 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्वयन/बेंगलुरु
PUB/969/AAD360/PRB/SWR/2025-26

रेलवन भारतीय रेल का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। यात्रीगण आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और सीजन पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्टेटस चेक कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। रेलवन ऐप डाउनलोड करें, डिजिटल भुगतान का उपयोग करके अनारक्षित टिकट बुक करें और 3 प्रतिशत तक छूट का लाभ उठाएं।
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. 06/एमवाईएस/2026 ऑफ 02.03.2026
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
1	सुब्रह्मण्य रोड:	₹4,94,01,082

सुब्रह्मण्य रोड स्टेशन पर रोड संख्या 1, 2 और 3 तथा रोड 4 और 5 के लिए क्विक कोच वाटरिंग सिस्टम और संबंधित सुविधाओं की स्थापना का प्रावधान
उप कार्य-1-1क- पंप हाउस तक ओएचटी
उप कार्य-1-1ख- पंप हाउस से हाइड्रेंट तक
उप कार्य-1-1ग- कैमटेक की अनुशंसाओं के अनुसार 24 एलएचबी कोच लंबाई के लिए रोड संख्या 1, 2 और 3 तथा रोड संख्या 4 और 5 के बीच क्यूसीबी का प्रावधान
उप कार्य-2- रोड संख्या 2 और 3 तथा रोड संख्या 4 और 5 के बीच ढकी हुई जल निकासी व्यवस्था का निर्माण
उप कार्य-3- रोड संख्या 1, 2 और 3 तथा रोड संख्या 4 और 5 के बीच 1 मीटर चौड़े सीसी पथ का निर्माण
उप कार्य-4- 2.5 लाख लीटर क्षमता वाले जीएलआर का निर्माण
उप कार्य-5- सुब्रह्मण्य रोड- 2.5 लाख लीटर क्षमता वाले ओवरहेड टैंक का निर्माण
उप-कार्य-6- सुब्रह्मण्य रोड- पंप हाउस का निर्माण
उप-कार्य-7- सुब्रह्मण्य रोड पर पीएफटीआर गतिविधि के लिए 16.4 मीटर x 4.5 मीटर के स्टोर रूम और 1 स्टाफ रूम का निर्माण

2	हासन-मंगलुरु जंक्शन	₹25,59,000

खंड के ब्रिज नं. 118 (हेमावती), 400 (कुमारधारा), 597 (नेत्रावती) और मैसूर-अर्सिकेरे खंड के ब्रिज नं. 242 (कावेरी) और ब्रिज नं. 264 (लक्ष्मण तीर्थ) पर स्वचालित जल स्तर गेज का रखरखाव। कुल 5 गेज का भारतीय ट्रैक प्रबंधन प्रणाली के साथ एकीकरण। (2 वर्ष)

3	चिकजाजुर-करजगी	₹2,10,48,443

खंड: सीएच: 303/500-600 स्पैन पर स्टील गार्डर अप लाइन ब्रिज नं. 35 का प्रतिस्थापन, 3x12.20 मीटर स्टील गार्डर + 2x3.05 मीटर आरसीसी स्लैब (लैंड आर्च बंद) को कास्ट-इन-सीटू आरसीसी बॉक्स द्वारा प्रतिस्थापन जिसमें 3 ट्विन-सेल आरसीसी बॉक्स (प्रत्येक 2x4.6 मीटर x3.3 मीटर) शामिल हैं।

निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथि: 25.03.2026 को 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉगऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल अभियंता/समन्वयन/मैसूरू
PUB/964/AAD360/PRB/SWR/2025-26

रेलवन भारतीय रेल का ऑल-इन-वन रेलवे ऐप है। यात्रीगण आरक्षित टिकट, अनारक्षित टिकट, प्लेटफॉर्म टिकट और सीजन पास बुक कर सकते हैं, पीएनआर स्टेटस चेक कर सकते हैं, खाना ऑर्डर कर सकते हैं और कई अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। रेलवन ऐप डाउनलोड करें, डिजिटल भुगतान का उपयोग करके अनारक्षित टिकट बुक करें और 3 प्रतिशत तक छूट का लाभ उठाएं।
South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय
तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली - 110011

श्री रामायण तथा श्री राम से संबंधित प्राचीन पांडुलिपियों के लिए आमंत्रण

रामायण की पांडुलिपियों का राष्ट्रीय भंडार (National Repository of Ramayana Manuscripts) **स्थापित करने का प्रस्ताव है।**

इस संदर्भ में देशभर के विद्वानों, पारंपरिक परिवारों, मठों, आश्रमों, पुस्तकालयों, विश्वविद्यालयों, सरकारी संस्थानों, ट्रस्टों तथा निजी संग्राहकों से विनम्र निवेदन है कि वे रामायण की प्राचीन और **दुर्लभ पांडुलिपियां दान** करें या उपलब्ध कराएं, जो निम्न में रचित हों-

- संस्कृत तथा अन्य भारतीय भाषाएं
- पारंपरिक भारतीय लिपियों में लिखित (ब्राह्मी, देवनागरी, ग्रंथ, शारदा, नंदिनागरी, बंगाली, ओड़िया, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, तमिल, गुजराती, मोडी लिपि आदि)

पांडुलिपियों में वाल्मीकि रामायण, क्षेत्रीय संस्करण (पाठ) और रूपांतर, टीकाएं, उप-टीकाएं, सहायक ग्रंथ तथा ताड़पत्र या कागज पर लिखित चित्रित पांडुलिपियां शामिल हो सकती हैं, परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

यह पवित्र पहल रामायण की अमूल्य विरासत को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने का प्रयास है।

दान करने के इच्छुक व्यक्ति पहले निम्नलिखित विवरण के साथ अपनी सहमति भेजें-

a) पांडुलिपि का शीर्षक (यदि उपलब्ध हो)
b) पांडुलिपि की आयु (यदि संभव हो) या अनुमानित आयु
c) पांडुलिपि की लिपि
d) पांडुलिपि का माध्यम जैसे कागज, ताड़पत्र आदि
e) पहले और अंतिम पृष्ठ का वीडियो नमूना तथा रंगीन फोटो
f) आकार और फोलियो संख्या आदि (अनुमानित)

नोट : प्रकाशित सामग्री स्वीकार नहीं की जाएगी।

इच्छुक योगदानकर्ता संपर्क करें-
श्री संजीब कुमार सिंह, निदेशक, अंतरराष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय
डाक पता : अंतरराष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, नयाघाट, अयोध्या - 224123, उत्तर प्रदेश
मोबाइल: 9968275856 लैंडलाइन: 05278297215
ईमेल : kumarsinghsanjib@yahoo.co.in, ramkathamuseum2023@gmail.com
CBC 09142/12/0063/2526

मुख्यमंत्री शर्मा ने सिविल सेवा परीक्षा में अव्वल रहे अनुज को दी बधाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले अनुज अग्निहोत्री को बधाई दी है। शर्मा ने कहा कि अनुज की यह उपलब्धि राज्य के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा का काम करेगी। उल्लेखनीय है कि आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा-2025 के परिणाम शुक्रवार को घोषित किए जिसमें अनुज अग्निहोत्री ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। अनुज राजस्थान के रावतभाटा के रहने वाले हैं।

शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा,यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा-2025 में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश का मान बढ़ाने वाले राजस्थान के सपूत अनुज अग्निहोत्री को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं! आपकी यह अभूतपूर्व उपलब्धि राज्य के लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा का काम करेगी। उन्होंने कहा,परीक्षा में सफल हुए सभी अन्य अभ्यर्थियों को भी हार्दिक शुभकामनाएं! मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी पूर्ण निष्ठा से 'राष्ट्र सेवा' का संकल्प सिद्ध करेंगे।

सीकर जिले में महिला की हत्या, पुलिस कर रही पति की तलाश

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में एक महिला का शव रेलवे अंडरपास के नजदीक मिला है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि महिला के पति पर ही उसकी हत्या करने का संदेह है और उसकी (पति की) तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मृत महिला की पहचान झुंझुनू जिले की ममता के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि स्थानीय लोगों को रानोली थानाक्षेत्र में गोरिया रेलवे अंडरपास के पास उसका शव नजर आया और फिर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के अनुसार शुरुआती जांच से पता चलता है कि महिला के पति अजय ने उसकी हत्या की और बाद में शव अंडरपास के पास फेंक दिया। पुलिस के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है और महिला के पति की भी तलाश की जा रही है।

सर्विस रिवॉल्वर से गोली लगने से पुलिस के एएसआई की मौत

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा में शुक्रवार को सर्विस रिवाल्वर से दुर्घटनावश गोली चल जाने से पुलिस के सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह हुई। उन्होंने बताया कि एएसआई महावीर सिंह घर पर अपनी सर्विस रिवाल्वर से कारतूस निकाल रहे थे। इसी दौरान रिवाल्वर से दुर्घटनावश गोली चल गई जो एएसआई के सिर में लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस उपाधीक्षक सज्जन सिंह के अनुसार, प्रथम दृष्टया तो दुर्घटना ही लग रही है। जांच टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं, तथ्यों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार, एएसआई महावीर सिंह की कुछ दिन पहले ही पदोन्नति हुई थी।

औद्योगिक क्षेत्र में भीषण आग लगी, कोई हताहत नहीं : पुलिस

जयपुर। जयपुर के बिंदायका औद्योगिक क्षेत्र में प्लास्टिक कूलर बनाने वाले एक कारखाने में शुक्रवार सुबह भीषण आग लग गई। पुलिस के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इसके अनुसार, इस कारखाने में गैस सिलेंडर भी रखे थे जिनसे बड़े हादसे का खतरा था। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। पुलिस के अनुसार, हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दमकल की कई गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इसके अनुसार, तीन मंजिला इमारत में आग लगी और इसकी ऊपरी मंजिल पर कई गैस सिलेंडर थे। दमकल कर्मियों ने अन्य बचाव कर्मियों की मदद से 11 सिलेंडर सुरक्षित रूप से निकाल लिए। हालांकि प्रशासन ने सुरक्षा कारणों से आसपास के इलाके को बंद कर दिया था और यातायात अन्य मार्गों से निकाला गया।

अजमेर में नियम विरुद्ध पट्टे जारी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी : मंत्री

जयपुर। राजस्थान सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि अजमेर शहर में नियम विरुद्ध पट्टे जारी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी और पिछले छह महीने में जारी किए गए पट्टों की जांच करवाई जाएगी। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने राज्य विधानभा में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीने में अजमेर नगर निगम द्वारा जारी सभी पट्टों की जांच अतिरिक्त जिला कलेक्टर स्तर पर की जा जाएगी। स्वायत्त शासन मंत्री विधायक रविंद्र सिंह भाटी द्वारा लाए गए ध्यान आकर्षण प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि नियम विरुद्ध पट्टे ज़ारी करने के एक प्रकरण में अजमेर नगर निगम के चार कार्मिकों उपायुक्त (विकास) कीर्ति कुमावत, वरिष्ठ प्रारुपकार सुरेश चौधरी, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) राजेश मीणा और कनिष्ठ सहायक सादिक हुसैन के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। स्वायत्त शासन मंत्री ने बताया कि जिला कलेक्टर अजमेर को यह प्रकरण जांच के लिए सौंपा जा रहा है, उनकी देखरेख में अतिरिक्त जिला कलेक्टर रैंक के एक अधिकारी द्वारा दो सप्ताह में इस पूरे प्रकरण एवं गत छह माह में नगर निगम द्वारा ज़ारी पट्टों की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट में जो भी कार्मिक दोषी पाए जाएंगे उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान में मार्च में ही मई जैसा अहसास : बाड़मेर 38.8 डिग्री के साथ सबसे गर्म, 40 के पार जा सकता है पारा

जयपुर। राजस्थान में इस बार मार्च की शुरुआत ने ही भीषण गर्मी के साथ सबको चौंका दिया है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य से 4 से 8 डिग्री सेल्सियस ऊपर दर्ज किया जा रहा है, जिससे लोग अभी से चिलचिलाती धूप का सामना करने को मजबूर हैं। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, पिछले 24 घंटों में राज्य का सर्वाधिक तापमान बाड़मेर में 38.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 6.3 डिग्री अधिक है। इसके अलावा जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर और पिलानी जैसे जिलों में भी पारा 37 डिग्री के पार पहुँच चुका है।

हम अपने एकत्व को नहीं पहचानते इसलिए युद्ध हो रहे हैं : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शुक्रवर को कहा कि हम अपने एकत्व को नहीं पहचानते, इसलिए दुनिया भर में कलह थमती नहीं है और युद्ध चलते रहते हैं। भागवत ने कहा कि लोग मन की करूणा भूल गए हैं और इस सत्य को भूल गए कि हम दिखते अलग अलग हैं लेकिन हम सब एक हैं। संघ प्रमुख जैसलमेर में जैन समुदाय के 'चादर महोत्सव' के उद्घाटन के अवसर पर 'धर्म सभा' में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, मन की करूणा लोग भूल गए हैं... क्योंकि (इस) सत्य को भूल गए कि हम दिखते अलग-अलग हैं, लेकिन हम सब एक हैं। इसलिए कलह कभी थमती नहीं, युद्ध चलते रहते हैं।

उन्होंने कहा, पहला महायुद्ध हुआ ... यह फिर से न हो इसलिए 'लीग आफ नेशंस' की स्थापना हुई। लेकिन वह नहीं चली। फिर दूसरा महायुद्ध हुआ। यह फिर से न हो इसलिए संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई। लेकिन अब देख रहे हैं कि क्या हालात हैं। वह अपनी जगह पर है, निष्प्रभावी है। जो युद्ध चल रहे हैं वे थम नहीं रहे। भागवत ने कहा, 'ये झगड़े क्यों होते हैं? ... हम पहचानते नहीं हमारे एकत्व को। इसलिए झगड़े होते हैं।'

उन्होंने कहा, 'समय बड़ा कठिन है। और समय के साथ अपने देश की, अपने समाज, अपने धर्म की होड़ है। आक्रमण वगैरह तो है ही। ये आक्रमण भी इसलिए चल रहे हैं कि हम लोग सोए हैं.. हम लोग बटें हैं।' उन्होंने कहा, हमलोग अपने जीवन में भेद व स्वार्थों को तिलांजलि दे दें और देश के लिए जीने मरने पर उतारू हो जाएं तो हमारा समाज अच्छा बनेगा। हमारे सारे भेद व कलह समाप्त हो जायेंगे। भारत देश परम वैभव संपन्न तो बनेगा ही ...लेकिन विश्वगुरु बनकर एक नयी सुखी सुन्दर दुनिया को जन्म देगा।

आपसी सद्भाव का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, 'कहीं विवाद को सुलझाना है तो समझौता उसका रास्ता नहीं होता। तर्क उसका रास्ता नहीं होता। उसका रास्ता होता है सद्भावना। तभी हल निकलता है। बिना सद्भावना के हल नहीं निकलता। इसलिए उस सद्भावना को लेकर धीरे धीरे हमको पूरे समाज को तैयार करना है।'

उन्होंने कहा, 'सब कलह मिट जाएं। हम सब खड़े हो जाएं... दुनिया में धर्म की रक्षा करने के लिए दुनिया के और सारे लोगों को अपने अपने रुचि, प्रकृति, परंपरा के अनुसार मोक्ष मार्ग मिले, संप्रदाय मिले, इसके लिए दुनिया एक नई सुंदर सुखी दुनिया बने इसके लिए हम को पहले एक भेदरहित, स्वार्थरहित... समतायुक्त, शोषणमुक्त समाज बनके खड़ा होना है।' महोत्सव स्थल पर पहुंचने से पहले भागवत सोनार किले की गलियों में ई-रिक्शा से घूमे और पार्श्वनाथ जैन मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने दादा गुरुदेव की स्मृति में एक स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकट का भी विमोचन किया। उल्लेखनीय है कि गच्छाधिपति आचार्य जिनमणिप्रभ सूरी जी की पावन निश्रा में आयोजित हो रहे इस तीन दिवसीय चादर महोत्सव के तहत शनिवार को विश्वभर में एक साथ एक करोड़ आठ लाख श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक दादागुरु इकतीसा पाठ का ऐतिहासिक महासंकल्प रहेगा। निर्धारित समय पर देश विदेश में श्रद्धालु एक साथ पाठ करेंगे।

मुख्य सचिव ने की समीक्षा बैठक

प्रदेश में ग्रीष्म ऋतु के ष्टिगत सुचारू पेयजल व्यवस्था बनाने के निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय में वीसी के माध्यम से ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत सुचारू पेयजल व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा की गई। उन्होंने इस दौरान अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च), सिविल सेवा दिवस-2026 (21 अप्रेल) से सम्बंधित आयोजनों के बारे में भी अधिकारियों से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश में आगामी गर्मी के मौसम में निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किए गए पर्याप्त इंतजाम की जानकारी ली। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायत निवारण के लिए हेल्पलाइन नंबर 181 पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए और अवैध कनेक्शनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। जिला कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारी साप्ताहिक समीक्षा बैठकों और फील्ड विजिट के माध्यम से जलापूर्ति व्यवस्था की निरंतर निगरानी करें ताकि आमजन को राहत मिल सके।

बैठक में बताया कि ग्रीष्मकाल में पानी की निर्बाध आपूर्ति के लिए प्रत्येक जिले को 1 करोड़ रूपये का बजट स्वीकृत किया गया है। हैंडपंप मरम्मत अभियान के लिए वाहन एवं लेबर की व्यवस्था आगामी 10 मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही जल परिवहन की दरों का निर्धारण और आकस्मिक कार्यों के सभी वर्क ऑर्डर आगामी 15 मार्च तक अनिवार्य रूप से जारी किए जाएंगे। इस के साथ ही जल जीवन मिशन की योजनाओं को सुचारू रखने और बंद योजनाओं को पुनः चालू करने के लिए जिला कलेक्टर को मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए। टैंकरों से जलापूर्ति पेयजल संकट वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से टैंकरों द्वारा जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बैठक में 8 मार्च को मनाए जा रहे अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की तैयारियों को जायजा लिया। प्रमुख शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग भवानी सिंह देथा ने इस अवसर पर जिलेवार होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा पेश की । मुख्य सचिव ने आधिकारियों से कहा कि बजट में सरकार ने महिलाओं के सशक्तीकरण और आत्मनिर्भर बनाने के लिए जो योजनाएं धरातल पर उतारी हैं उसके बारे में महिलाओं को जानकारी होना जरूरी है । इस दिवस का उपयोग हम इन योजनाओं के प्रचार-प्रसार के रूप में कर सकते हैं।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को कहा कि सिविल सेवा दिवस में भाग लेना अपने आप में एक सुखद अनुभव है। इस दिवस के माध्यम से हम प्रशासनिक तंत्र को और अधिक जिम्मेदार तथा जन केन्द्रित बना सकते हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों से ईमानदारी, संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ काम करने का आह्वान किया। जिलों में बेहतर कार्य करने वाले, नवाचार लाने वाले और जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन करने वाले अधिकारियों को सम्मानित करने से लोगों को आपके कार्यों के बारें में जानकारी मिलती है। उन्होंने सभी सचिवों और अधिकारियों से सीएम एक्सीलेंस अवार्ड के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में आवेदन करने को कहा।

नागरिक सुरक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में आपदा प्रबंधन, नागरिक सुरक्षा एवं स्वयं सेवक समूह को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए नागरिक सुरक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ शुक्रवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष से आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल द्वारा किया गया।

उन्होंने कहा कि वेबसाइट द्वारा विभाग के विजन एवं मिशन, योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगठनात्मक ढांचे एवं पंजीकृत स्वयंसेवकों से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई जायेगी। वेबसाइट पर भारत सरकार द्वारा जारी नागरिक सुरक्षा कंपेडियम, नागरिक सुरक्षा कार्य एवं नियम, नागरिक सुरक्षा के सामान्य सिद्धांत, नागरिक सुरक्षाओं की विस्तृत जानकारी, विभाग द्वारा जारी वार्षिक प्रतिवेदन रिपोर्ट, विभाग से संबंधित नवीनतम आदेश, परिपत्र, दिशा-निर्देश और अधिसूचना इत्यादी उपलब्ध रहेंगे।

वेबसाइट पर विभिन्न प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं जैसे भीषण लू, बाढ़, शीतलहर, चक्रवात, भूकंप, युद्ध कालीन आपात स्थिति, हवाई हमले, ब्लैक आउट एवं अग्नि दुर्घटनों के दौरान क्या करें और क्या न करें की उपयोगी जानकारी उपलब्ध रहेगी। विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविरों, मोक ड्रिल एवं जन जागरुकता कार्यक्रमों के विवरण सहित आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रक्रिया हेतु आपातकालीन नंबर, जिलेवार संपर्क सूची एवं वरिष्ट अधिकारियों की जानकारी भी रहेगी।

आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि यह वेबसाइट न केवल विभाग की कार्यक्षमता में वृद्धि करेगी बल्कि संकट के समय आम नागरिकों के लिए एक विश्वसनीय डिजिटल साथी के रूप में भी कार्य करेगी। इसके माध्यम से नागरिक सुरक्षा विभाग से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारियां, योजनाएं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्वयंसेवक पंजीकरण तथा आपदा के समय अपनाए जाने वाली आवश्यक सावधानियां एक ही मंच पर सहज रूप से उपलब्ध होंगी।

केन्द्र सरकार की लेट लतीफी के कारण अटकी रही कोटा हवाई अड्डा परियोजना : अशोत गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की लेट लतीफी के कारण कोटा हवाई अड्डा परियोजना लगभग चार साल तक अटकी रही। गहलोत ने उम्मीद जताई है कि अब शिलान्यास के बाद इस परियोजना का काम तेजी से पूरा होगा। गहलोत ने एक बयान में कहा, कल कोटा हवाई अड्डे का शिलान्यास होने जा रहा है, जिसकी पहल हमारी कांग्रेस सरकार ने की थी।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कोटा में एक जनसभा के दौरान वहां की जनता से हवाई अड्डा बनाने का वादा किया था। उसे हकीकत बनाने

के लिए हमारी तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 1250 एकड़ जमीन कोटा में हवाई अड्डे के लिए 2021 में निशुल्क आवंटित की। 2022 में यहां से बिजली लाइनों को स्थानांतरित करने के लिए 120 करोड़ रुपए का बजट भी स्वीकृत किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार की लेट लतीफी के कारण यह परियोजना करीब चार साल तक अटकी रही। अब आशा है कि शिलान्यास के बाद इसका काम तेजी से पूरा होगा एवं निर्माण कार्य भी गुणवत्तापूर्ण होगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने 'चंबल रिवरफ्रंट' जैसी विश्वस्तरीय परियोजना देकर कोटा को पर्यटन का 'केंद्र' बनाने का प्रयास किया जिससे पर्यटकों की आवक कोटा में बढ़े। हालांकि भाजपा सरकार की उपेक्षा के कारण 'रिवर फ्रंट' में न रेस्टोरेंट खुल पाए हैं और न ही दूसरी सुविधाओं का विकास हुआ है।

उन्होंने कहा कि राज्य की मौजूदा भाजपा सरकार को 'रिवर फ्रंट' का और विकास करना चाहिए एवं इसका अच्छे से रखरखाव करना चाहिए जिससे हाड़ौती में पर्यटन बढ़ सके एवं हवाई अड्डे का बनना भी सार्थक हो सके।

आरएसएमएम के संगतराश नवाचार से खनिज ओवरबर्डन और वेस्ट मेटेरियल होगा रिसाइकल : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बताया है कि राजस्थान स्टेट माइंस एण्ड मिनरल्स द्वारा नवाचारों के तहत झामरकोटड़ा खनन क्षेत्र के ओवरबर्डन व वेस्ट मेटेरियल को रिसाइकल करते हुए आधुनिक और समकालीन मूर्तिकला 'मॉडर्न एण्ड कंटेम्परेरी स्कल्पचर' के लिए उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए आरएसएमएम द्वारा संगतराश नाम से इनोवेटिव कार्यक्रम आरंभ किया गया है। मुख्य सचिव एवं आरएसएमएम के चेयरमेन वी. श्रीनिवास शुक्रवार को सचिवालय में आरएसएमएम की 422 वीं बोर्ड बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरएसएमएम का संगतराश नवाचार पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक व गुड गवर्नेंस दायित्व की दिशा में बढ़ता कदम हैं। उन्होंने बताया कि खानों में खनन के दौरान ओवरबर्डन और वेस्ट मैटेरियल के कारण पर्यावरण प्रदूषण व अपशिष्ट के उपयोग नहीं होने से विपरीत प्रभाव पड़ता है। उन्होंने बताया कि संगतराश नवाचार से जहां एक और आधुनिक और समकालीन शिल्पकला को प्रोत्साहन मिलेगा वहीं युवाओं को रोजगार और आय के साधन विकसित होंगे।

श्रीनिवास ने आरएसएमएम के केमिकल फर्टिलाइजर रॉक फास्फेट-जिप्सम आदि की जीरो लॉस तकनीक से उत्पादन बढ़ाने और किसानों तक उपलब्ध कराने पर जोर दिया ताकि कृषि पैदावार में बढ़ोतरी हो सके।

उन्होंने बदलते माइनिंग सिनेरियों के अनुसार आरएसएमएम में मानव संसाधन का पुनर्गठन करने और माइनिंग व जियोलोजी सेक्टर के तकनीकी विशेषज्ञता बढ़ाने पर जोर दिया। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने बताया कि संगतराश नवाचार कार्यक्रम का एक अन्य लाभ कला और शिल्प को बढ़ावा देने के साथ ही शहरी सौन्दर्यीकरण में किया जा सकेगा।

उन्होंने आरएसएमएम को आक्रामक विपणन नीति अपनाने के साथ ही जीरो लॉस माइनिंग पर जोर देना होगा ताकि उत्पादकता और लाभदायकता में बढ़ोतरी हो सके। प्रबंध निदेशक आरएसएमएम प्रज्ञा केवलरमानी ने आरएसएमएम की गतिविधियों और उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्लोबल इंडिया स्टोनमार्ट में आरएसएमएम के पेवेलियन को पहला पुरस्कार मिला हैं। वहीं सामाजिक कोरपोरेट दायित्व के तहत उदयपुर में खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

बगरू के अजयराजपुरा में आयुर्वेद औषधालय खोलने पर प्राथमिकता से होगा विचार : बैरवा

जयपुर/दक्षिण भारत। उप मुख्यमंत्री व आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति मंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि बगरू की ग्राम पंचायत अजयराजपुरा में आयुर्वेद औषधालय खोलने के संबंध में वित्तीय संसाधनों और गुणावगुण के आधार पर प्राथमिकता से विचार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर चरणबद्ध तरीके से आयुर्वेद औषधालय खोले जाने का प्रावधान किया गया है। आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक कैलाश वर्मा द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत अजयराजपुरा में वर्तमान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग का उप स्वास्थ्य केन्द्र संचालित है। इसके अलावा यहां से करीब 8 किलोमीटर दूर कलवाड़ा में आयुर्वेदिक औषधालय संचालित है।

इससे पूर्व मूल प्रश्न के लिखित उत्तर में आयुर्वेद एवं भारतीय चिकित्सा पद्धति मंत्री ने बताया कि आयुष नीति 2021 के अनुसार ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर गुणावगुण के आधार पर चरणबद्ध रूप से आयुर्वेद औषधालय खोले जाने का प्रावधान है। आयुर्वेद विभाग के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र बगरू में वर्तमान में 19 आयुर्वेद औषधालय संचालित हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत अजयराजपुरा में आयुर्वेद औषधालय खोलने से संबंधित कोई प्रस्ताव वर्तमान में विचाराधीन नहीं है।

सीआईएसएफ देशभर के समुद्री बंदरगाहों की सुरक्षा की निगरानी करेगी : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंडली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) द्वारा देश भर के विभिन्न बंदरगाहों की सुरक्षा की निगरानी किए जाने की घोषणा की।

शाह ने सीआईएसएफ के 57वें स्थापना दिवस पर संबोधन में कहा कि यह सुरक्षा बल पहले से ही 71 हवाई अड्डों, संसद परिसर और गुजरात के केवडिया के पास स्थित 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' सहित 361 महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा कर रहा है।

शाह ने कहा, सीआईएसएफ कई तरह के कार्य करता है। आप सरदार पटेल के भव्य स्मारक, हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी पंचायत संसद परिसर और अन्य जगहों पर आप बांधों व महत्वपूर्ण रेलवे प्रतिष्ठानों की सुरक्षा कर रहे हैं।

गृह मंत्री ने समुद्री व हवाई रक्षा की दिशा में किए गए रणनीतिक बदलाव का भी विस्तार से वर्णन किया और कहा कि इन स्थापित भूमिकाओं के साथ-साथ सरकार ने बंदरगाहों की सुरक्षा को भी

सीआईएसएफ की जिम्मेदारी में शामिल करने के लिए काम किया है।

शाह ने सीआईएसएफ को ड्रोन सुरक्षा के लिए नोडल एजेंसी नामित किए जाने की घोषणा की और कहा कि गृह मंत्रालय ने इस उद्देश्य के लिए एक नया विभाग बनाने का निर्णय लिया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने पिछले एक वर्ष में सुरक्षा बल की बढ़ती उपस्थिति पर प्रकाश डालते हुए सीआईएसएफ सुरक्षा के लिए स्वीकृत कई नए स्थानों की सूची दी, जिनमें कर्तव्य भवन, सेवा तीर्थ, नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, नवी मुंबई हवाई अड्डा और छत्तीसगढ़ में तलाईपल्ली कोयला खदान परियोजना जैसी विभिन्न महत्वपूर्ण ऊर्जा एवं खनन परियोजनाएं शामिल हैं।

शाह ने कहा, सीआईएसएफ द्वारा बंदरगाहों की सुरक्षा का जिम्मा संभालने के बाद देश की आर्थिक वृद्धि के साथ-साथ हमारी समुद्री सुरक्षा में भी सुधार होगा।

केंद्र सरकार ने सीआईएसएफ को अंतरराष्ट्रीय जहाज एवं बंदरगाह सुविधा सुरक्षा (आईएसपीएस) संहिता के तहत मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन (आरएसओ) के रूप में नामित करने का निर्णय लिया है, जिसके बाद यह घोषणा की गई।

अनुज अग्निहोत्री ने सिविल सेवा परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, 958 उम्मीदवार सफल : यूपीएससी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा शुक्रवार को घोषित सिविल सेवा परीक्षा 2025 के परिणाम में एमबीबीएस स्नातक अनुज अग्निहोत्री ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। राजेश्वरी सुवे एम और अकांश ढुल ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया है।

अग्निहोत्री ने चिकित्सा विज्ञान को वैकल्पिक विषय के रूप में चुनकर परीक्षा में सफलता हासिल की। उन्होंने राजस्थान के जोधपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईआईएमएस) से एमबीबीएस (बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी) की उपाधि प्राप्त की है। चेन्नई के अन्ना विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग (ईईई) में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (बीई) की डिग्री प्राप्त करने वाली राजेश्वरी ने समाजशास्त्र को अपने वैकल्पिक विषय के रूप में चुनकर दूसरा स्थान हासिल किया। दिल्ली विश्वविद्यालय से वाणिज्य स्नातक (बीकॉम) की उपाधि प्राप्त करने वाले अकांश ने वाणिज्य और लेखाशास्त्र को अपने वैकल्पिक विषय के रूप में चुनकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। अंतिम रूप से सफल उम्मीदवारों में शीर्ष पांच में एक महिला और चार पुरुष उम्मीदवार शामिल हैं। राघव झुनझुनवाला और ईशान भटनागर ने क्रमशः चौथा और पांचवां स्थान प्राप्त किया है। दिल्ली विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक (बीए) की डिग्री हासिल करने वाले झुनझुनवाला ने अर्थशास्त्र को वैकल्पिक विषय के रूप में चुनकर चौथा स्थान प्राप्त किया।

अमित शाह ने इफको के पारादीप संयंत्र का उद्घाटन किया; कहा-पांच करोड़ किसान इफको के मालिक हैं

पारादीप/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में 'भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड' (इफको) के नए सल्फ्यूरिक एसिड संयंत्र का उद्घाटन किया। शाह ने कहा कि इस परियोजना से देश की उर्वरक उत्पादन क्षमता में इजाफा होगा।

शाह ने कहा कि पारादीप में 750 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नया संयंत्र इफको की उर्वरक उत्पादन क्षमता बढ़ाने में सहायक होगा और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य में योगदान देगा। उन्होंने बताया कि इस संयंत्र की उत्पादन क्षमता 2,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन है और इसमें प्रदूषण को काफी हद तक कम करने के उद्देश्य से तकनीक का उपयोग किया गया है। इफको को एक सफल सहकारी आंदोलन का उदाहरण बताते हुए शाह ने कहा कि पांच करोड़ किसान इस संगठन के स्वामी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''इफको जो भी अर्जित करता है, उसका लाभ देश के पांच करोड़ किसानों तक पहुंचता है। यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। इसका कार्यालय कहीं भी हो, इफको का असली स्वामी हमारे देश का किसान है।'' शाह ने कहा कि इफको के पारादीप संयंत्र का विस्तार उर्वरक उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के प्रयासों को समर्थन प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, ''इफको के पारादीप संयंत्र में यह विस्तार उर्वरकों में प्रयुक्त आयातित कच्चे माल पर भारत की निर्भरता को कम करने में सहायक होगा।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए शाह ने कहा कि आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल उर्वरकों का निर्माण ही नहीं, बल्कि देश के भीतर ही आवश्यक सभी कच्चे माल का उत्पादन करना भी है। उन्होंने कहा, ''इससे आयात पर भारत की निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आएगी।''

'फांसी घर' मामले में स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान कर रही है भाजपा : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 'फांसी घर' विवाद को लेकर शुक्रवार को विधानसभा की विशेषाधिकार समिति के समक्ष पेश हुए और उन्होंने भाजपा सरकार पर विवादित ढांचे को 'टिफिन रूम' साबित करने की कोशिश करके स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान करने का आरोप लगाया। केजरीवाल ने विधानसभा परिसर में पत्रकारों से कहा, 2022 में, तत्कालीन विधानसभाध्यक्ष राम निवास गोयल ने पता लगाया कि इस इमारत के एक कोने में एक 'फांसी घर' था, जहां स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी दी जाती थी। उन्होंने मुझे बताया क्योंकि मैं मुख्यमंत्री था और कहा कि 'हमें इसे पर्यटकों के लिए खोल देना चाहिए'। केजरीवाल ने कहा, ''मैंने इसका उद्घाटन किया था, लेकिन भाजपा के सत्ता में आने के बाद वे यह साबित करने की कोशिश कर रहे हैं कि यह 'फांसी घर' नहीं बल्कि 'टिफिन रूम' था। मेरा मानना है कि स्वतंत्रता सेनानियों का इससे बड़ा अपमान और कोई नहीं हो सकता।''

घुसपैठियों को बचाने के लिए कोलकाता में धरने पर बैठी हैं ममता बनर्जी : केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित घुसपैठियों को संरक्षण देने के लिए शहर के बीचोंबीच धरना देने का आरोप लगाया।

सिंह ने यहां एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों के साथ बातचीत में दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस जल्द ही सत्ता से बाहर हो जाएगी। उन्होंने 'तृणमूल कांग्रेस द्वारा संरक्षित राज्य के पक्षपाती सरकारी अधिकारियों और गुंडों' को चेतावनी दी कि वे अपना रवैया सुधार लें, वरना परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, ''बनर्जी को सिर्फ मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखने वाले घुसपैठियों को बचाने में दिलचस्पी है, जो उनके वोट बैंक का बड़ा हिस्सा हैं। उन्हें शर्म आनी चाहिए कि वे एस्प्लेनेड इलाके में घुसपैठियों को बचाने के लिए धरना दे रही हैं, जिनकी मदद से उन्होंने पिछला चुनाव जीता था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा।'' उन्होंने दावा किया कि राज्य को दिए गए 15 लाख करोड़ रुपए का केंद्रीय अनुदान तृणमूल कांग्रेस के पदाधिकारियों ने हड़प लिया है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि तृणमूल नेताओं ने आलीशान घर बना लिए हैं और 15 वर्षों में जो साइकिल से चलते थे अब वे मंहगे चौपहिया वाहनों पर चल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, पहले औद्योगिक विकास दर 25 प्रतिशत थी, जो अब घटकर तीन प्रतिशत रह गई है।

रूसी तेल खरीदने के लिए 30 दिन की छूट प्रधानमंत्री की रणनीतिक कूटनीति की सफलता : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय तेलशोधक कंपनियों को रूसी तेल खरीदने के लिए अमेरिका द्वारा 30 दिन की अस्थायी छूट की घोषणा किए जाने के बाद भाजपा ने शुक्रवार को इस घटनाक्रम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ''रणनीतिक तेल कूटनीति'' की सफलता बताया और कहा कि यह ''भारत विरोधी राहुल गांधी और कांग्रेस के मुंह पर एक बड़ा तमाचा'' है। भाजपा ने कांग्रेस और गांधी पर ''तेल की कमी को लेकर फर्जी खबरें फैलाकर'' दहशत पैदा करने का भी आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राहुल गांधी और कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को रणनीतिक संयम और रणनीतिक स्पष्टता के साथ काम करते देखना पसंद नहीं है।''

ईरान के साथ बढ़ते संघर्ष के बीच, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बृहस्पतिवार को कहा, ''राष्ट्रपति (डोनाल्ड) ट्रंप के ऊर्जा एजेंडे के परिणामस्वरूप तेल और गैस उत्पादन अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति जारी रखने के लिए, वित्त विभाग भारतीय तेलशोधक कंपनियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए 30 दिन की अस्थायी छूट जारी कर रहा है।''

सामरिक स्वायत्तता खतरे में, भारत सरकार को ब्लैकमेल कर रहा है अमेरिका : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिकी वित्त विभाग की भारतीय रिफाइनरियों को रूस से फौरी तौर पर तेल खरीदने की अस्थायी छूट दिए जाने की घोषणा को लेकर शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारत की सामरिक स्वायत्तता और संप्रभुता खतरे हैं तथा अमेरिका भारत सरकार को ब्लैकमेल कर रहा है। ईरान के साथ बढ़ते संघर्ष के बीच अमेरिका ने कहा कि वह भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए अस्थायी रूप से 30 दिनों की छूट दे रहा है।

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बृहस्पतिवार को कहा, ''राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऊर्जा एजेंडे के कारण तेल और गैस का उत्पादन अब तक के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गया है। वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति जारी रखने के लिए वित्त मंत्रालय भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए अस्थायी रूप से 30 दिन की छूट दे रहा है।''

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''भारत की विदेश नीति हमारे लोगों की सामूहिक इच्छा से आकार लेती है। इसकी जड़ें हमारे इतिहास, हमारे भूगोल और सत्य और अहिंसा पर आधारित हमारे आध्यात्मिक लोकाचार में होनी चाहिए।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''आज हम जो देख रहे हैं वह नीति नहीं है। यह एक समझौतावादी व्यक्ति के शोषण का परिणाम है।''

नगालैंड के युवाओं से जिम्मेदार नेता बनने व राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का उपराष्ट्रपति का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोहिमा/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को नगालैंड विश्वविद्यालय के स्नातकों से जिम्मेदार नेता बनने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकास के लिए शांति, एकता और चरित्र आवश्यक हैं।

जुन्हेबोतो जिले के लुमामी में नगालैंड विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसी विश्वविद्यालय की सच्ची सफलता न केवल उसके द्वारा दिए जाने वाले ज्ञान में निहित है, बल्कि उसके माध्यम से तैयार किए जाने वाले नेताओं में भी निहित है। उन्होंने स्नातकों से कहा, ''दीक्षांत समारोह रास्ते का अंत नहीं बल्कि एक नई यात्रा की शुरुआत है'' और छात्रों से तेजी से बदलती दुनिया के अनुकूल ढलने, स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने और उद्देश्यपूर्ण तरीके से आगे बढ़ने का आग्रह किया। राधाकृष्णन ने कहा कि यह नगालैंड की उनकी पहली यात्रा है। उन्होंने राज्य की जीवंत परंपराओं की प्रशंसा की और इसे एक ऐसी जगह बताया जहां प्रकृति, संस्कृति और साहस का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की विविधता साझा आदर्शों से निहित है। उन्होंने नगालैंड के युवाओं को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसी राष्ट्रीय सेवाओं में शामिल होने और देश की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एकता ही राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है और कहा कि एक 'विकसित नगालैंड' एक 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान देगा। फ्रंटियर नगालैंड टेरिटोरियल अथॉरिटी (एफएनटीए) समझौते का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि नगालैंड के समग्र विकास के लिए शांति और आपसी सम्मान आवश्यक हैं। उन्होंने राज्य के विकास में राज्यपाल के योगदान को भी स्वीकार किया। उपराष्ट्रपति ने युवाओं से अपील की कि वे नशीले पदार्थों से दूर रहें और अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों को भी मादक द्रव्यों के सेवन से मुक्त रहने के लिए प्रोत्साहित करें।

बिरला के खिलाफ प्रस्ताव नियमों के अनुरूप, इस पर चर्चा होनी चाहिए : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए विपक्ष द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर संभावित चर्चा से कुछ दिनों पहले शुक्रवार को कहा कि यह प्रस्ताव नियमों और परंपराओं के अनुरूप है तथा इस पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत नौ मार्च को होगी। लोकसभा में बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए प्रस्ताव पर उस दिन चर्चा हो सकती है। प्रस्ताव में, बिरला पर ''खुलकर भेदभाव'' करने का आरोप लगाया गया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस के अलावा सभी विपक्षी दलों के सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को हटाने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पर नौ मार्च को विचार किया जाएगा। यह एक स्वस्थ, लोकतांत्रिक परंपरा है। हमने प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, जो नियमों के अनुसार है, परंपराओं के अनुसार है... अतीत में भी ऐसे मौके आए हैं। उदाहरण के लिए, 1954 में जब संयुक्त विपक्ष की ताकत मुश्किल से 50 सांसदों की थी और 489 सदस्यों के सदन में कांग्रेस के 364 सांसद थे, तब तत्कालीन अध्यक्ष जी वी मावलंकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था।

'जिसकी लाठी उसकी भैंस' में यकीन करने वाली स्थिति में नहीं जा सकते : सिब्बल

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में नियम आधारित वैश्विक व्यवस्था को धीरे-धीरे खत्म किया गया है, जो वैश्विक शांति के लिए अच्छा नहीं है। तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के मारे जाने के कुछ दिनों बाद, सिब्बल ने यहां ईरानी दूतावास पहुंचकर शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि उस स्थिति में नहीं जाया जा सकता जहां कुछ राष्ट्र 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' में यकीन करते हैं। पत्रकारों से निर्दलीय सांसद ने कहा, ''जिस तरह से अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या की गई, उस पर मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करने के लिए यहां आया हूं।'' सिब्बल ने कहा, मैं व्यक्तिगत रूप से मानता हूं, और मुझे यकीन है कि हर देश का मानना है कि संघर्षों का समाधान बातचीत के जरिए किया जाना चाहिए, न कि सामूहिक विनाश के हथियारों के इस्तेमाल के जरिए। वैश्विक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए ऐसा करना जरूरी है।'' उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में नियम आधारित वैश्विक व्यवस्था को धीरे-धीरे खत्म किया गया है।

अक्षर भारत के महानतम खिलाड़ियों में शामिल होने की राह पर: गावस्कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि अक्षर पटेल क्रिकेट के हर विभाग में अपने शानदार कौशल और क्रिकेट की बहुत अच्छी समझ रखने के कारण भारत के महानतम खिलाड़ियों में से एक बनने की राह पर हैं जिसकी एक बानगी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में देखने को मिली जिसमें उन्होंने अपनी शानदार फील्डिंग से प्रभावित किया।

अक्षर पटेल ने खेल के दो अलग-अलग लेकिन महत्वपूर्ण चरणों में खतरनाक हैरी ब्रूक और विल जैक्स को आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अक्षर ने कवर पोजीशन से 24 मीटर पीछे दौड़कर शानदार कैच लेकर ब्रूक को पवेलियन भेजा। इसके बाद अर्शदीप सिंह की वाइड फुल टॉस गेंद को जैक्स ने डीप पॉइंट की ओर खेला। अक्षर ने अपनी बाईं ओर दौड़कर गेंद को लपका लेकिन सीमा रेखा पर संतुलन नहीं बना पाने के कारण उन्होंने उसे शिवम दुबे की तरफ उछाल दिया।

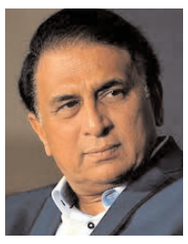

गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, ''अक्षर ने ब्रूक का जो कैच लिया वह अविश्वसनीय था। ब्रूक मैच का रुख बदल सकते हैं और उनका विकेट हासिल करने का हर मौका भुनाना चाहिए। अक्षर ने वही किया। वह 24 मीटर दौड़े, गेंद पर नजर रखी, खुद पर नियंत्रण बनाए रखा और कैच लपक लिया। अविश्वसनीय।'' उन्होंने कहा, ''विल जैक्स को आउट करने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई। (जैकब) बेथेल और जैक्स की साझेदारी मैच को इंग्लैंड के पक्ष में कर रही थी। लेकिन अक्षर अपनी बाईं ओर दौड़े, गेंद पकड़ी और चतुराई दिखाकर उसे शिवम दुबे के पास पहुंचा दिया। इससे उनकी क्रिकेट की समझ और अच्छी सूझबूझ का पता चलता है।'' गावस्कर ने कहा, ''शीर्ष स्तर पर आपकी सूझबूझ और जज्बा ही महान खिलाड़ियों को अन्य खिलाड़ियों से अलग करता है। अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी के दम पर अक्षर भारत के महान खिलाड़ियों में से एक बनने जा रहे हैं।'' गावस्कर ने कहा कि रवींद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद अक्षर ने उनकी जगह को अच्छी तरह से भर दिया है। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, ''उनसे पहले हमारे पास रवींद्र जडेजा थे और अक्षर उनकी कमी को बखूबी पूरा कर रहे हैं। उनकी गेंदबाजी में थोड़ा और निखार की जरूरत है। अनुभव के साथ यह आ जाएगा। उनकी लाइन, लेंथ और गति में निरंतर सुधार हो रहा है।''

टीम को अभिषेक पर और अभिषेक को खुद पर भरोसा होना चाहिए : कपिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व कप्तान कपिल देव ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में अभिषेक शर्मा को खराब फॉर्म के बावजूद टीम में रखना चाहिए । अभिषेक ने इस टूर्नामेंट में एकमात्र अर्धशतक जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया है ।

कपिल ने यहां गोल्फ के एक कार्यक्रम से इतर कहा ,'' अपनी टीम पर भरोसा रखो और प्रबंधन को खिलाड़ी पर भरोसा रखना चाहिए । अभिषेक को खुद पर भरोसा रखना होगा कि मैं खेल सकता हूं और मैं खेलूंगा ।'' भारत ने दूसरे

सेमीफाइनल में बृहस्पतिवार को इंग्लैंड को सात रन से हराया । कपिल ने कहा कि उन्होंने उम्मीद नहीं की थी कि मैच इतना करीबी होगा । उन्होंने कहा ,'' मुझे नहीं लगा था कि भारत के 250 से ज्यादा रन होने के बाद कोई मुश्किल होगी । यह शानदार मैच था । भारत को जीत की बधाई लेकिन आखिर में जीत क्रिकेट की हुई । मैने इस मैच का पूरा मजा लिया लेकिन एक गेंदबाज के रूप में नहीं ।'' उन्होंने भारी दबाव वाले मैच में जसप्रीत बुमराह के शानदार प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा कि डैथ ओवरों में उसके प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि वह दुनिया का नंबर एक गेंदबाज क्यों है । उन्होंने कहा ,'' बुमराह दुनिया का नंबर एक गेंदबाज है । वह सर्वश्रेष्ठ है और इसलिए क्योंकि दबाव में अच्छा प्रदर्शन करता है ।'' सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन की तारीफ करते हुए कपिल ने कहा ,'' वह शानदार क्रिकेटर है । कई बार बड़े खिलाड़ी खराब दौर का सामना भी करते हैं जैसे कि अभिषेक साथ हो रहा है लेकिन अगर बड़े खिलाड़ी हैं तो वे वापसी करते हैं । संजू ने पिछले दो मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है ।''

सुविचार

जिंदगी में कम से कम एक दोस्त शीशे और परछाई के जैसा होना चाहिए क्योंकि शीशा कभी झूठ नहीं बोलता और परछाई कभी साथ नहीं छोड़ती।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक सरकार की स्वागत-योग्य पहल

कर्नाटक सरकार ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के संबंध में जो घोषणा की है, उसका स्वागत होना चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या द्वारा बजट पेश करते हुए की गई इस घोषणा में एक अभिभावक की चिंता झलकती है। पिछले एक दशक में सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग ने विभिन्न समस्याओं को जन्म दिया है। कई बच्चे पांच मिनट का नाम लेकर मोबाइल फोन लेते हैं, फिर घंटों सोशल मीडिया देखते हैं। इससे उनकी पढ़ाई और सेहत, दोनों को नुकसान होता है। कई बच्चों की आदतें बिगड़ गई हैं। पहले, वे समय पर पढ़ाई करते थे, खेलकूद संबंधी गतिविधियों में भाग लेते थे और घर के कामकाज में भी हाथ बंटाते थे। उन्हें जब से मोबाइल फोन की लत लगी है, उनका जीवन सोशल मीडिया तक सीमित हो गया है। जब उन्हें पढ़ाई के लिए कहा जाता है तो वे बहाने ढूंढ़ते हैं। उन्हें लगता है कि दिनभर मोबाइल फोन के साथ व्यस्त रहना दुनिया का सबसे जरूरी काम है और अगर ऐसा नहीं किया तो धरती का अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा। बच्चे मासूम होते हैं। उन्हें पता नहीं है कि इस आदत से भविष्य में बड़ा नुकसान हो सकता है। उनका बचपन खुशहाल हो, भविष्य उज्ज्वल हो, इसके लिए थोड़ी सख्ती जरूरी है। आज उन्हें कुछ असुविधा हो सकती है, बुरा भी लग सकता है, लेकिन कुछ साल बाद वे इस फैसले के लिए सिद्दरामय्या के आभारी होंगे। इससे पहले, आंध्र प्रदेश सरकार बच्चों के स्क्रीन टाइम को लेकर चिंता जता चुकी है। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया का उपयोग प्रतिबंधित करने के संबंध में सख्त कदम उठाए हैं।

बच्चों को खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उनके लिए अच्छी किताबें और ज्ञानवर्द्धक पत्रिकाएं उपलब्ध होनी चाहिएं। उन्हें जन्मदिन जैसे शुभ अवसरों पर मोबाइल फोन की जगह ऐसी चीजें लाकर दें, जो उनमें जिज्ञासा पैदा करें। प्रख्यात वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन के बारे में कहा जाता है कि जब वे छोटे थे तो बीमार पड़ गए थे। उस समय उनके पिता ने उन्हें कुतुबनुमा लाकर दिया था। इससे उनके मन में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा पैदा हुई थी। सोचिए, अगर उस समय सोशल मीडिया का चलन होता और आइंस्टीन के पिता उन्हें मोबाइल फोन लाकर दे देते तो उनके सोचने की दिशा क्या होती? बच्चे जिन चीजों के साथ ज्यादा समय बिताते हैं, उनका मन पर गहरा असर होता है। कोई बच्चा मिट्टी के घरौंदे बनाता है, किसी को कागज के हवाईजहाज उड़ाना पसंद होता है, कोई पुराने डिब्बों से ट्रक बनाता है, कोई बारिश के मौसम में कागज की नाव बनाकर मन बहलाता है। प्रकृति ने बच्चों में यह अद्भुत क्षमता पैदा की है। छोटा बच्चा कई सवाल पूछता है। वह इस दुनिया को जानना चाहता है। अगर उसे उचित समय पर उचित जानकारी देने वाले स्रोत मिल जाएं तो उसका भविष्य बहुत उज्ज्वल हो सकता है। क्या सोशल मीडिया ऐसा कर रहा है? कोरोना काल के बाद तो सोशल मीडिया पर अभद्र एवं आपत्तिजनक सामग्री की बाढ़-सी आ गई है। उसे देखकर बच्चे क्या सीखेंगे? क्या ऐसी सामग्री उन्हें चरित्रवान नागरिक बनाएगी? बच्चों को सोशल मीडिया के भरोसे छोड़ देना कितना सुरक्षित है? इन सभी सवालों पर सरकारों को विचार करना होगा। बच्चों को अनुकूल वातावरण और सही दिशा देने की जिम्मेदारी सबकी है। जिन चीजों का बच्चों के मन पर गलत असर पड़े, वे घर और समाज में न हों अथवा उनका दायरा इतना सीमित हो कि बच्चे उन तक पहुंच न सकें। आज सोशल मीडिया इसी श्रेणी में आ चुका है। अगर अन्य आयु वर्ग के लोग भी इसका उपयोग सीमित रखें तो बच्चों में अच्छा संदेश जाएगा।

ट्वीटर टॉक

भारत की विकास यात्रा में नारी नेतृत्व वाले व्यवसायों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती जा रही है। छोटे शहरों, कस्बों और गाँवों में भी हमारी बहन-बेटियां उद्यमिता के क्षेत्र में ऐसे अपूर्व योगदान दे रही हैं जिनसे सामाजिक-आर्थिक विकास में क्रांतिकारी बदलाव आएगा।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में सफल हुए सभी प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई। यह उपलब्धि देश और समाज की सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। आप सभी अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

-दिया कुमारी

कोटा-बूंदी एयरपोर्ट को लेकर सच्चाई.... डबल इंजन सरकार ने दूर की सारी बाधाएँ । कांग्रेस ने हमेशा कोटा-बूंदी एयरपोर्ट के मुद्दे पर जनता को भ्रमित करने का काम किया। जानबूझकर ऐसी भूमि आवंटित की गई जिसका अधिकांश भाग वन क्षेत्र में था ।

-मदन दिलावर

प्रेरक प्रसंग

संयम से दीक्षा

मिस्र के महान संत जुन्नुन के पास एक बार एक युवक धर्म की दीक्षा लेने आया। संत ने उसे एक संदूकची दी और कहा कि यह नील नदी के पास रहने वाले मेरे एक मित्र को दे आओ। युवक संदूकची लेकर चल पड़ा, लेकिन रास्ते में वह अपनी उत्सुकता को न रोक पाया और संदूकची को खोलकर देखने लगा। संदूकची के खुलते ही उसमें बंद एक चूहा छलांग लगा के बाहर निकल भागा। खाली संदूकची को लेकर जब वह संत के मित्र के पास गया तो संदूकची को खाली पाकर वह मित्र बोला, 'यह संदूकची तुम्हारे संयम की परीक्षा लेने के लिए भेजी गई थी, पर तुम अपने संयम पर नियंत्रण न रख सके और संदूकची को खोल बैठे। धर्म का ज्ञान पाने के लिए जिस धैर्य और संयम की जरूरत होती है, उसका तुम्हारे पास नितांत अभाव है। तुम्हारे लिए बेहतर यही रहेगा कि पहले तुम अपने चित्त की दुर्बलता दूर करो और उसके बाद ही धर्म की दीक्षा लेने की बात सोचो।'

सामयिक

ईरान की उथल-पुथल : वैश्विक राजनीति के लिए गहरी सीख

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

ईरान की स्थिति नेतृत्व परिवर्तन और राजनीतिक नवाचार के महत्व को भी रेखांकित करती है। जब लंबे समय तक सत्ता एक ही नेतृत्व के हाथों में केंद्रित रहती है, तो राजनीतिक व्यवस्था में जड़ता आने लगती है। स्वस्थ राजनीतिक व्यवस्था वही होती है जिसमें नए नेतृत्व को उभरने का अवसर मिलता है और समय-समय पर जिम्मेदारियों का हस्तांतरण होता रहता है। जब अनुभवी नेता उचित समय पर योग्य उत्तराधिकारियों को आगे बढ़ाते हैं, तो संस्थाएं मजबूत होती हैं और व्यवस्था अधिक स्थिर बनती है।

ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच हाल में बढ़े सैन्य तनाव ने मध्य-पूर्व की भू-राजनीति को झकझोर कर रख दिया है और पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। संयुक्त सैन्य कार्रवाई, जवाबी हमलों, वरिष्ठ अधिकारियों की मौत और आम नागरिकों के हताहत होने की खबरों ने वैश्विक स्तर पर चिंता को और बढ़ा दिया है। कई देशों को यह डर सताने लगा है कि यदि हालात नहीं संभले तो यह टकराव एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध का रूप भी ले सकता है। फिलहाल पूरी दुनिया की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस बढ़ते तनाव का अंत किस दिशा में होगा। लेकिन इन घटनाओं के बीच ईरान की स्थिति दुनिया के सामने कई महत्वपूर्ण सबक भी रखती है। ये सबक केवल सैन्य या कूटनीतिक स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आर्थिक नीति, शासन व्यवस्था, आंतरिक स्थिरता और सरकार तथा जनता के बीच संबंधों से भी गहराई से जुड़े हुए हैं।

ईरान की स्थिति से जो पहला और सबसे बड़ा सबक सामने आता है, वह है वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति का महत्व। आज के समय में किसी देश की ताकत केवल उसकी सेना या प्राकृतिक संसाधनों से तय नहीं होती। विज्ञान, तकनीक, अनुसंधान और नवाचार किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति बन चुके हैं। जो देश विज्ञान और तकनीक में पीछे रह जाते हैं, वे धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय दबाव और रणनीतिक चुनौतियों के प्रति कमजोर पड़ने लगते हैं। ईरान के पास तेल और गैस के विशाल भंडार हैं और लंबे समय तक उसकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से इन्हीं संसाधनों पर निर्भर रही। लेकिन किसी एक ही क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता कई बार देश की आर्थिक संरचना को कमजोर भी बना देती है। जब अमेरिका और पश्चिमी देशों ने ईरान पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए, तब उसकी अर्थव्यवस्था पर इसका गहरा असर पड़ा। इसका एक कारण यह भी था कि अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों जैसे उन्नत उद्योग, तकनीकी विकास और वैश्विक व्यापार में पर्याप्त विस्तार नहीं हो पाया था। यही कारण है कि दूसरा बड़ा सबक यह है कि किसी भी देश को अपनी अर्थव्यवस्था को एक ही स्तंभ पर खड़ा नहीं करना चाहिए। एक मजबूत और स्थायी अर्थव्यवस्था के लिए विविधता बहुत जरूरी होती है। जो देश केवल प्राकृतिक संसाधनों या किसी एक उद्योग पर निर्भर रहते हैं, उन्हें शुरुआत में समृद्धि तो मिल सकती है, लेकिन वे बाहरी झटकों के प्रति अत्यंत संवेदनशील हो जाते हैं।

ईरान के हालात राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्व को भी स्पष्ट रूप से सामने लाते हैं। किसी भी देश की दिशा और स्थिरता काफी हद तक उसकी सुरक्षा व्यवस्था पर निर्भर करती है। विशेष रूप से देश के शीर्ष नेतृत्व और महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि नेतृत्व ही असुरक्षित हो जाए या बाहरी हमलों और आंतरिक घुसपैठ के प्रति कमजोर पड़ जाए, तो पूरे देश की सुरक्षा व्यवस्था खतरे में पड़ सकती है। सुरक्षा एजेंसियों को हमेशा सतर्क रहना चाहिए और संभावित खतरों का समय-समय पर मूल्यांकन करते रहना चाहिए।

ईरान के हालात से एक और महत्वपूर्ण सबक मिलता है- रणनीतिक आत्मनिर्भरता का। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में केवल मित्र देशों या वैश्विक संस्थाओं के भरोसे अपनी सुरक्षा छोड़ देना कई बार जोखिम भरा साबित हो सकता है। जब किसी देश पर हमला होता है या उसे गंभीर नुकसान पहुंचता है, तब अक्सर दुनिया के देश केवल चिंता व्यक्त करते हैं, निंदा करते हैं या कूटनीतिक बयान जारी करते हैं। लेकिन ये प्रतिक्रियाएं हमेशा तत्काल सुरक्षा प्रदान नहीं कर पातीं। इतिहास बताता है कि अंततः हर देश को अपनी सुरक्षा के लिए खुद तैयार रहना पड़ता है। इसलिए बुद्धिमान सरकारें मजबूत रक्षा व्यवस्था विकसित करने, अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाने और संभावित खतरों से निपटने के लिए समाज को तैयार रखने पर विशेष ध्यान देती हैं। ईरान की स्थिति यह भी बताती है कि किसी देश की आंतरिक राजनीतिक व्यवस्था उसकी स्थिरता में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जब सरकारें असहमति की आवाज को दबाने लगती हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करती हैं या विरोध करने वालों पर कठोर कार्रवाई करती हैं, तो समाज के भीतर असंतोष पनपने लगता है। यह असंतोष धीरे-धीरे राष्ट्रीय एकता को कमजोर कर सकता है और बाहरी ताकतों को आंतरिक परिस्थितियों का लाभ उठाने का अवसर दे सकता है। ईरान में भी विरोध प्रदर्शनों और सरकारी दमन से जुड़े कई आरोप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बने हैं। महसा अमीनी की मृत्यु के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था। हजारों लोगों ने न्याय और स्वतंत्रता की मांग करते हुए प्रदर्शन किए। जब सरकारें ऐसे आंदोलनों का जवाब संवाद की बजाय कठोर बल प्रयोग से देती हैं, तो सरकार और जनता के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। किसी भी सरकार की वास्तविक ताकत तब बढ़ती है जब वह अपने नागरिकों की बात सुनती है, उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से अपनी राय व्यक्त करने की अनुमति देती है और समस्याओं का समाधान संवाद के माध्यम से खोजने की कोशिश करती है। यदि नागरिकों को यह महसूस होता है कि उनकी आवाज का सम्मान किया जा रहा है, तो वे कठिन परिस्थितियों में भी अपने देश के साथ मजबूती से खड़े रहते हैं। इसके विपरीत, जब लोग अपने ही देश में खुद को असुरक्षित या उपेक्षित महसूस करते हैं, तो समाज और राज्य के बीच विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। आर्थिक कठिनाइयां भी ऐसे असंतोष को और बढ़ा सकती हैं।

ईरान की स्थिति नेतृत्व परिवर्तन और राजनीतिक नवाचार के महत्व को भी रेखांकित करती है। जब लंबे समय तक सत्ता एक ही नेतृत्व के हाथों में केंद्रित रहती है, तो राजनीतिक व्यवस्था में जड़ता आने लगती है। स्वस्थ राजनीतिक व्यवस्था वही होती है जिसमें नए नेतृत्व को उभरने का अवसर मिलता है और समय-समय पर जिम्मेदारियों का हस्तांतरण होता रहता है। जब अनुभवी नेता उचित समय पर योग्य उत्तराधिकारियों को आगे बढ़ाते हैं, तो संस्थाएं मजबूत होती हैं और व्यवस्था अधिक स्थिर बनती है। देशों को विज्ञान और तकनीक में निवेश बढ़ाना चाहिए, अपनी अर्थव्यवस्था को विविध बनाना चाहिए, सुरक्षा और खुफिया तंत्र को मजबूत करना चाहिए और संभावित खतरों के प्रति सतर्क रहना चाहिए।

नजरिया

डिजिटल युग महिलाओं के लिए सशक्तिकरण, नवाचार और नेतृत्व के अनेक अवसर लेकर आया है। शिक्षा, उद्यमिता, तकनीक और सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। फिर भी डिजिटल समानता की दिशा में अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। डिजिटल अंतर, साइबर उत्पीड़न, नेतृत्व में कम प्रतिनिधित्व और डिजिटल साक्षरता की कमी जैसी चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं।

डिजिटल दुनिया में महिलाओं की बढ़ती उड़ान और चुनौतियाँ

ममता कुशवाहा

डिजिटल युग ने मानव जीवन के लगभग हर क्षेत्र को गहराई से प्रभावित किया है। संचार, शिक्षा, व्यापार, शासन और सामाजिक संबंधों के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन आया है। इंटरनेट के तीव्र प्रसार, नई तकनीकों के विकास और डिजिटल प्लेटफॉर्मों के विस्तार ने दुनिया भर के लोगों के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा किए हैं। इस बदलते दौर की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि महिलाओं की डिजिटल क्षेत्र में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। आज महिलाएँ केवल तकनीक का उपयोग करने वाली उपभोक्ता भर नहीं रह गई हैं, बल्कि वे नवाचार करने वाली, उद्यमी, शिक्षिका और नेतृत्वकारी भूमिका निभाने वाली सक्रिय शक्ति बनती जा रही हैं। वे डिजिटल दुनिया के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। फिर भी इन सकारात्मक परिवर्तनों के बावजूद महिलाओं को कई सामाजिक, संरचनात्मक और तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जो डिजिटल क्षेत्र में उनकी पूर्ण भागीदारी को सीमित करती हैं। डिजिटल युग में महिलाओं की भागीदारी का सबसे स्पष्ट रूप शिक्षा और जानकारी तक उनकी बढ़ती पहुँच में दिखाई देता है। ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म, डिजिटल पुस्तकालय, वेबिनार और वर्चुअल कक्षाएँ महिलाओं और लड़कियों के लिए ज्ञान प्राप्त करने के नए द्वार खोल रही हैं। पहले अनेक महिलाएँ पारिवारिक जिम्मेदारियों, सामाजिक प्रतिबंधों या आर्थिक सीमाओं के कारण विद्यालयों और विश्वविद्यालयों तक नहीं पहुँच पाती थीं। लेकिन आज इंटरनेट और डिजिटल तकनीक के माध्यम से वे घर बैठे ही नई-नई जानकारियाँ प्राप्त कर सकती हैं और अपने कौशल का विकास कर सकती हैं। इससे न केवल उनके ज्ञान का विस्तार हुआ है बल्कि उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता भी बढ़ी है। डिजिटल शिक्षा ने महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। डिजिटल अर्थव्यवस्था ने भी महिलाओं के लिए आर्थिक अवसरों के नए रास्ते खोले हैं। ई- कॉमर्स वेबसाइटें, ऑनलाइन बाजार और डिजिटल भुगतान प्रणालियाँ महिलाओं को कम निवेश में अपना व्यवसाय शुरू करने की सुविधा प्रदान कर रही हैं। आज अनेक महिलाएँ घर से ही अपने बनाए हुए उत्पाद, जैसे हस्तशिल्प, कपड़े, घरेलू वस्तुएँ या अन्य सेवाएँ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से बेच रही हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल मार्केटिंग के साधनों की सहायता से वे अपने ग्राहकों तक दूर-दूर तक पहुँच बना पा रही हैं।

तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी महिलाओं की उपस्थिति धीरे-धीरे मजबूत होती जा रही है। आज महिलाएँ सॉफ्टवेयर डेवलपर, डेटा विश्लेषक, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, डिजिटल मार्केटर और तकनीकी शोधकर्ता के रूप में काम कर रही हैं। कई महिलाएँ बड़ी तकनीकी कंपनियों, स्टार्टअप्स और डिजिटल परियोजनाओं का नेतृत्व भी कर रही हैं। उनके विचार और दृष्टिकोण तकनीकी विकास को अधिक विविध और रचनात्मक बना रहे हैं। विश्व भर की सरकारें और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ भी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाएँ और कार्यक्रम चला रही हैं, ताकि तकनीकी क्षेत्रों में मौजूद लैंगिक असमानता को कम किया जा सके।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने भी महिलाओं को अपनी बात रखने और समाज से जुड़ने का एक सशक्त माध्यम प्रदान किया है। आज महिलाएँ डिजिटल मंचों के माध्यम से सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाती हैं, अपने अनुभव साझा करती हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर जानकारी देती हैं और लैंगिक समानता की वकालत करती हैं। महिलाओं के अधिकार, कार्यस्थल पर समान अवसर और सामाजिक न्याय से जुड़े कई आंदोलन डिजिटल माध्यमों के कारण वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय बने हैं। सोशल मीडिया ने महिलाओं को अपनी आवाज़ को व्यापक समाज तक पहुँचाने का अवसर दिया है, जिससे सार्वजनिक विमर्श पर उनका प्रभाव बढ़ा है।

एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती ऑनलाइन सुरक्षा और साइबर उत्पीड़न की समस्या है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर महिलाओं को अक्सर अपमानजनक टिप्पणियों, ट्रोलिंग, धमकियों और पीछा करने जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से महिला पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी महिलाएँ कई बार संगठित ऑनलाइन हमलों का लक्ष्य बन जाती हैं। ऐसी परिस्थितियाँ कई महिलाओं को अपनी राय खुलकर व्यक्त करने से रोक देती हैं। लगातार होने वाला साइबर उत्पीड़न मानसिक तनाव, भय और असुरक्षा की भावना को जन्म देता है, जिससे कई महिलाएँ डिजिटल मंचों से दूरी बना लेती हैं।

डिजिटल साक्षरता की कमी भी महिलाओं की प्रगति में एक महत्वपूर्ण बाधा है। तकनीक तक पहुँच होना जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी है उसका सही और प्रभावी उपयोग करना आना। ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर समुदायों की कई महिलाएँ डिजिटल उपकरणों, ऑनलाइन सेवाओं और डिजिटल भुगतान प्रणालियों का उपयोग करने में प्रशिक्षित नहीं होतीं। इसके कारण वे डिजिटल अर्थव्यवस्था से जुड़ने और उससे लाभ प्राप्त करने के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। इसलिए सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों को महिलाओं और लड़कियों के लिए विशेष डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम चलाने की आवश्यकता है।

सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराएँ भी कई बार महिलाओं की डिजिटल भागीदारी को प्रभावित करती हैं। अनेक समाजों में महिलाओं से अपेक्षा की जाती है कि वे घरेलू जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें और पेशेवर या तकनीकी क्षेत्रों में कम समय दें। ऐसी सामाजिक धारणाएँ महिलाओं को नए अवसरों की खोज से रोकती हैं। इसके अलावा यह रूढ़िवादी धारणा भी प्रचलित है कि तकनीक का क्षेत्र केवल पुरुषों के लिए उपयुक्त है। यह सोच कई लड़कियों को विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने से हतोत्साहित करती है। इन रूढ़ियों को बदलने के लिए शिक्षा, जागरूकता और सकारात्मक सामाजिक वातावरण की आवश्यकता है।

डिजिटल युग महिलाओं के लिए सशक्तिकरण, नवाचार और नेतृत्व के अनेक अवसर लेकर आया है। शिक्षा, उद्यमिता, तकनीक और सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। फिर भी डिजिटल समानता की दिशा में अभी लंबा सफर तय करना बाकी है। डिजिटल अंतर, साइबर उत्पीड़न, नेतृत्व में कम प्रतिनिधित्व और डिजिटल साक्षरता की कमी जैसी चुनौतियाँ अभी भी मौजूद हैं। इन समस्याओं का समाधान सामूहिक प्रयासों और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता से ही संभव है। यदि महिलाओं को डिजिटल दुनिया में समान अवसर, संसाधन और सुरक्षा प्रदान की जाए, तो वे एक अधिक समावेशी, रचनात्मक और न्यायपूर्ण भविष्य के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैयाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नेपाल के चुनावों में बलेंद्र शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी भारी जीत की ओर अग्रसर

काठमांडू/भाषा। नेपाल में छह महीने पहले हुए 'जेन जेड' के विरोध प्रदर्शन और फिर सितंबर में के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने के बाद हुए पहले आम चुनाव में शुक्रवार को जारी मतगणना के रुझानों के अनुसार पूर्व रैपर बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली नवगठित राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) भारी जीत की ओर अग्रसर है।

चुनाव आयोग के अनुसार, अपराह्न दो बजे तक जिन 94 निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना चल रही थी, उनमें से 70 में आरएसपी आगे चल रही है, जबकि नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी छह निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रही हैं।

भारत इस चुनाव पर करीब से नजर रख रहा है, जो राजनीतिक रूप से अस्थिर हिमालयी देश में एक स्थिर सरकार की उम्मीद कर रहा है ताकि दोनों पक्षों के बीच विकासात्मक साझेदारी को आगे बढ़ाया जा सके। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बृहस्पतिवार को दिल्ली में कहा, हम पारस्परिक लाभ के लिए अपने दोनों देशों और लोगों के बीच मजबूत बहुआयामी संबंधों को और आगे बढ़ाने के लिए नेपाल की नई सरकार के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने नेपाल में शांति, प्रगति और स्थिरता का लगातार समर्थन किया है और अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, इन चुनावों के लिए नेपाल सरकार के अनुरोध के अनुसार साजोसामान संबंधी आपूर्ति प्रदान की है। हाल तक काठमांडू के महापौर रहे बलेंद्र शाह, झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र में चार बार के प्रधानमंत्री और सीपीएन-यूएमएल अध्यक्ष ओली के गढ़ में उनसे आगे चल रहे हैं। शाह, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बालेन के नाम से जाना जाता है, को सुबह 10 बजे तक 6,090 वोट मिले, जबकि ओली को केवल 1,248 वोट ही प्राप्त हुए। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी, श्रम संस्कृति पार्टी और निर्दलीय उम्मीदवार एक-एक निर्वाचन क्षेत्र में आगे चल रहे थे।

चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि अब तक आरएसपी और एनसी ने एक-एक सीट जीती है। आरएसपी के रंजू दर्शन ने काठमांडू-1 से 15,455 वोटों से जीत हासिल की, जबकि एनसी के योगेश गौचन ठकाली ने मुस्तांग से 3,307 वोटों से जीत दर्ज की।

एक अधिकारी के अनुसार, पुष्प कमल दाहाल प्रचंड को अब तक 5,924 वोट मिल चुके हैं और वह रुकुम पूर्व में अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे चल रहे हैं।मीडिया में आई खबरों के अनुसार, रवि लामिछाने के नेतृत्व वाली आरएसपी काठमांडू के सभी 10 निर्वाचन क्षेत्रों में आगे चल रही है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मतगणना बृहस्पतिवार देर रात शुरू हुई और इसके शुक्रवार रात तक समाप्त हो जाने की संभावना है। नेपाल में प्रतिनिधि सभा के लिए बृहस्पतिवार को हुए चुनावों के दौरान लगभग 60 प्रतिशत मतदान हुआ। 'जेन जेड' के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद नेपाल में ओली की सरकार गिर गई थी।

श्रद्धांजलि

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को केरल के कोल्लम दौरे के दौरान श्री नारायण गुरुदेव को श्रद्धांजलि देते हुए।

'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' के नए गाने को आदिति भाटिया ने किया प्रमोट

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय टेलीविजन और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री आदिति भाटिया ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर अपनी नई फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' के नए गाने का एक वीडियो शेयर किया है। हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' के एक नए गाने का क्लिप शेयर करते हुए अदिति ने पोस्ट कैप्शन में लिखा, जब प्रेम भक्ति में बदल जाता है, तब राधा केवल एक नाम फुसफुसाती है कान्हा। उन्होंने लिखा, 'कान्हा' अब रिलीज हो चुकी है। इसी के साथ अभिनेत्री ने फिल्म को प्रोमोट करते हुए आगे लिखा, अब सहेंगे नहीं, लड़ेंगे। केरल स्टोरी 2 सिनेमाघरों में जारी है। वीडियो में एक्ट्रेस गुलाबी रंग के घाघरा-चोली में शानदार डांस करते नजर आ रही है। गाने में आदिती को आप भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में जमकर नृत्य करते देख सकते हैं।

आदिति के फैंस को उनका यह वीडियो काफी पसंद आ रहा है। पोस्ट पर कुछ ही घंटे में हजारों व्यूज और लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, फैंस कमेंट्स के माध्यम से वीडियो और अभिनेत्री पर अपना प्यार लगातार लुटा रहे हैं। आदिति भाटिया भारतीय हिंदी टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री का एक जाना-माना चेहरा हैं, जो अपनी खूबसूरती के साथ-साथ लाजवाब एक्टिंग के लिए जानी जाती है। अभिनेत्री ने स्टार प्लस के शो 'ये है मोहब्बतें' से फैंस के दिलों में असल पहचान बनाई, जिसमें उनके किरदार रुही को काफी पसंद किया गया। एक्ट्रेस ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी और अब वह 'द केरल स्टोरी 2' जैसी फिल्मों में दमदार लीड रोल करते नजर आ रही हैं। इससे पहले अभिनेत्री कई हिंदी टेलीविजन सीरियल और रियलिटी शो में काम कर चुकी हैं और विभिन्न फिल्मों में अलग-अलग किरदार भी निभा चुकी हैं।

भारतीय हिंदी भाषा की ड्रामा फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। मूवी का निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह ने किया है, और विपुल अमृतलाल शाह ने सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले इसका निर्माण किया है। 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' में आदिति भाटिया के साथ उल्का गुप्ता और ऐश्वर्या ओझा मुख्य किरदार को निभाते नजर आएंगे।

इंडोनेशिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया जाएगा

जकार्ता/एपी। इंडोनेशिया की संचार और डिजिटल मामलों की मंत्री मेउत्या हाफिद ने शुक्रवार को कहा कि देश में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। हाफिद ने मीडिया को दिए एक बयान में कहा कि उन्होंने अभी-अभी एक सरकारी नियम पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका मतलब है कि 16 साल से कम उम्र के बच्चे अब यूट्यूब, टिकटॉक, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, बिगो लाइव और रोब्लोक्स जैसे जोखिम भरे डिजिटल मंचों पर अकाउंट नहीं बना सकेंगे।

इसका कार्यान्वयन 28 मार्च से धीरे-धीरे शुरू होगा, जब तक कि सभी सोशल मीडिया मंच अपने अनुपालन दायित्वों को पूरा नहीं कर लेते। हाफिद ने कहा, ''मूल बात स्पष्ट है। हमारे बच्चों को लगातार गंभीर खतरों का सामना करना पड़ रहा है। अश्लील सामग्री के संपर्क में आने, साइबरबुलिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी और सबसे महत्वपूर्ण, नशे की लत जैसे खतरों से उन्हें जूझना पड़ रहा है। सरकार इसलिए यहाँ है ताकि माता-पिता को 'एल्गोरिदम' के इस बड़े खतरे से अकेले न लड़ना पड़े।'' उन्होंने कहा कि सरकार डिजिटल आपातकाल के बीच बच्चों के भविष्य पर संप्रभुता को पुनः प्राप्त करने के सर्वोत्तम प्रयास के रूप में यह कदम उठा रही है।

रश्मिका-विजय के रिसेप्शन में पहुंचीं नीना गुप्ता

मुंबई/एजेन्सी

सोशल मीडिया पर इस समय पावर कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के हैदराबाद में हुए रिसेप्शन की खूबसूरत तस्वीरें छाई हुई हैं, जिसमें साउथ से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई दिग्गज एक्टर, एक्ट्रेस, डायरेक्टर, और नामी चेहरे ने स्टाइलिश अंदाज में सिरकत की। बीते बुधवार को रश्मिका और विजय के रिसेप्शन में पहुंचे सेलेब्रिटीज में एक नाम नीना गुप्ता का भी है, जो हिंदी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री की एक शानदार अभिनेत्री, निर्देशक और निर्माता हैं। कपल के रिसेप्शन में अभिनेत्री अपने पति विवेक मिश्रा के साथ पहुंची। अभिनेत्री के बीते दिन की एक खूबसूरत तस्वीर को गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। पोस्ट को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, आप दोनों और आपके परिवारों से मिलकर बहुत अच्छा लगा। आप सब बहुत ही मिलनसार, सम्मानजनक और प्यारे थे। भगवान आप दोनों को आशीर्वाद दें। नीना और विवेक की ओर से आपको दोनों को ढेर सारा प्यार। रश्मिका और विजय के साथ नीना और उनके पति की खूबसूरत तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। पोस्ट पर कुछ ही घंटे में हजारों व्यूज और लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, नीना के रिसेप्शन लुक की बात करें तो उन्होंने सफेद रंग की एक एलेगेंट सारी पहनी है, जिसपर गोल्डन प्रिंट हैं। कट स्लीव ब्लाउज में अभिनेत्री का लुक काफी शानदार लग रहा है। खुले बाल, लाइट मेकअप और गोल्डन ज्वैलरी से नीना के लुक की एलेगेंस काफी बढ़ जाती है। इसी के साथ अभिनेत्री ने हाथ में एक लाल रंग का बैग रखा हुआ है। वहीं, उनके पति विजय काले रंग के कोट और ब्राउन पैंट में उनको काफी कंप्लीमेंट कर रहे हैं। रश्मिका और विजय के रिसेप्शन लुक की बात करें, तो अभिनेत्री ने प्लेन लाल रंग की साड़ी पहनी है, जिसका बॉर्डर भारी है। स्लीक बन, नेचुरल मेकअप, और गोल्डन ज्वेलरी के साथ उन्होंने अपनी रिसेप्शन लुक को पूरा किया है। वहीं, विजय पूरी तरह साउथ इंडियन लुक में नजर आ रहे हैं।

टी-सीरीज ने अलग अंदाज में जाह्नवी कपूर को विश किया बर्थडे, 'पेड्डी' के सेट से दिखाया पर्दे के पीछे का सीन

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री और प्रसिद्ध फैशन ऑइकन जाह्नवी कपूर शुक्रवार, 6 मार्च को अपना 29वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस को विभिन्न सेलेब्रिटी और फैंस की ओर से अलग-अलग अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं मिल रही हैं। इसी बीच टी-सीरीज ने जाह्नवी कपूर को एक खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। टी-सीरीज ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री की आगामी फिल्म 'पेड्डी' के सेट से पर्दे के पीछे का कुछ सीन शेयर करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। टी-सीरीज ने 'पेड्डी' के सेट से बीटीएस को शेयर करते हुए पोस्ट कैप्शन में लिखा, शब्दों से परे एक ऐसी खूबसूरती और आंखों से ही सब कुछ बयां करने वाला अभिनय। जन्मदिन मुबारक हो जाह्नवी कपूर। इसी के साथ टी-सीरीज ने फैंस को बताया कि पेड्डी 30 अप्रैल को विश्वव्यापी रिलीज होगी।

टी-सीरीज के इस खास पोस्ट को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं, जिसमें जाह्नवी की खूबसूरती के साथ सेट के पीछे की कुछ बेहतरीन सीन को दिखाया गया है। पोस्ट पर कुछ ही घंटे में हजारों व्यूज और कमेंट्स आ चुके हैं। 'पेड्डी' एक आगामी पैन-इंडिया तेलुगु स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसमें राम चरण के साथ जाह्नवी कपूर (अचियम्मा) की भूमिका को निभाते लीड रोल में नजर आएगी। इनके अलावा पर्दे पर शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में अपनी दमदार एक्टिंग का जलवा बिखरेंगे। बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित इस फिल्म में लोगों को जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस के साथ ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान के लाजवाब गाने सुनने को मिलेंगे। फिल्म की कहानी एक गांव के सम्मान पर आधारित है, जिसके लिए गांव के कुछ लोगों को एकजुट करके खेल का सहारा लिया जाता है। 'पेड्डी' मूवी का निर्माण वेंकट सतीश किलारू (वृद्धि सिनेमाज) और मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा किया गया है।

जाह्नवी कपूर बॉलीवुड की नई पीढ़ी की उभरती हुई प्रमुख अभिनेत्रियों में से एक है, जो अपनी खूबसूरती और डांस मूव्स के साथ पर्दे पर अलग-अलग किरदारों को बेहतरीन ढंग से निभाने के लिए जानी जाती है।

दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की बेटी जाह्नवी ने 2018 की फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। पहली ही फिल्म में जबरदस्त एक्टिंग के लिए उन्हें खूब सराहा गया। इसके बाद, उन्होंने गुंजन सक्सेना: द कारगिल गर्ल, रूही, मिली, गुड लक जेरी, बवाल, और मिस्टर एंड मिसेज माही जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के दम पर इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है।

जज के सामने कभी नहीं रोया, सोशल मीडिया की खबरें मनगढ़ंत : राजपाल

मुंबई/एजेन्सी

कॉमिडियन और अभिनेता राजपाल यादव ने सोशल मीडिया पर चल रही उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि उन्होंने जज के सामने रोते हुए कहा कि उनके पास पैसे नहीं हैं। एक्टर ने आईएएनएस से खास बातचीत में साफ कहा कि वह जज के सामने कभी नहीं रोए और न ही कोर्ट को कभी बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने इन दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और गलत बताया। राजपाल ने कहा, सोशल मीडिया पर जो खबरें चल रही हैं, उनमें से कुछ शुभचिंतक फैला रहे हैं, जबकि ज्यादातर वे लोग हैं जिन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। वे बस इंटरनेट पर फैक्ट्स को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और अपनी दुकानें चला रहे हैं। मैं सबकी इज्जत करता हूं, लेकिन ऐसी अफवाहों पर यकीन न करें। उन्होंने आगे कहा, अगर कोई राजपाल के चेहरे को देखता है, तो उसे सिर्फ हंसी आनी चाहिए। इससे ज्यादा की उम्मीद न करें। मेरा चेहरा हमेशा हंसी-खुशी का प्रतीक रहा है और रहेगा।

राजपाल ने इस दौरान मुश्किल समय में मिले सहारे की भी बात की। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में इंडस्ट्री के कई लोग उनके साथ खड़े हुए और उनकी मदद की। हालांकि, सोशल मीडिया पर उन लोगों के नाम ज्यादा हाईलाइट नहीं हुए। एक्टर ने कहा कि परिवार से भी उन्हें लगातार मजबूत समर्थन मिल रहा है, जो उनके लिए सबसे बड़ा सहारा है। गौरतलब है कि राजपाल यादव को हाल ही में चेक बाउंस के एक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। कोर्ट ने उन्हें अपनी भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए 18 मार्च तक की अंतरिम बेल दी। सुनवाई के दौरान राजपाल के वकील ने कोर्ट को सूचित किया कि एक्टर ने 1.5 करोड़ रुपए का डिमांड ड्राफ्ट जमा कर दिया है। साथ ही, उन्हें अपना पासपोर्ट भी सरेंडर करने का निर्देश दिया गया। इस मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को निर्धारित है। 'भूल भुलैया' और कई हिट कॉमेडी फिल्मों के लिए मशहूर राजपाल यादव ने स्पष्ट किया कि वह कानूनी प्रक्रिया का पूरी तरह सम्मान कर रहे हैं और अफवाहों से दूर रहकर अपनी जिंदगी को हंसी-खुशी के साथ जीना चाहते हैं।

दौरा

चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार, इलेक्शन कमिश्नर सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ शुक्रवार को कोच्चि में केरल इलेक्शन डिपार्टमेंट द्वारा क्यूरेट की गई इलेक्शन फोटो एग्जीबिशन का दौरा करते हुए।

आत्मसम्मान से समझौता नहीं:भूमि पेडनेकर

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मी दुनिया में कलाकारों की चमक-दमक अक्सर लोगों को आकर्षित करती है, लेकिन इस चमक के पीछे कड़ा संघर्ष छिपा होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपने करियर, बचपन और निजी अनुभवों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अभिनय उनके लिए सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। कुछ बातें ऐसी हैं जिन पर वे कभी समझौता नहीं कर सकतीं। भूमि पेडनेकर हाल ही में वेब सीरीज 'दलदल' में नजर आई थीं। इस दौरान उन्होंने 'वुमन ऑफ इम्पैक्ट' कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अपने जीवन के कई अहम पहलुओं पर बात की।

उन्होंने कहा, ''जब मैं सिर्फ 12 साल की थीं, तभी मैंने अपनी मां को साफ कह दिया था कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती हूं। उस उम्र में यह सपना बहुत बड़ा था, लेकिन मैंने अपने लक्ष्य को कभी छोड़ा नहीं। मैंने मेहनत की, सीखा और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाई। आज मैं अपनी दमदार भूमिकाओं और मजबूत अभिनय के लिए जानी जाती हूं।''

कार्यक्रम के दौरान भूमि ने अपने स्कूल के दिनों की एक ऐसी घटना भी साझा की, जिसने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया था। उन्होंने कहा, ''एक दिन जब मैं अपनी कक्षा में लौटीं तो मुझे एक कागज का टुकड़ा मिला, जिस पर मेरे शरीर को लेकर मजाकिया और अपमानजनक शब्द लिखे थे। उस समय मैं बहुत छोटी थी और ऐसी बातें मेरे मन पर गहरा असर डाल गईं।'' उन्होंने कहा, ''कम उम्र में इस तरह की छींटाकशी और बदमाशी बच्चों को डर और असुरक्षा का एहसास कराती है। यह अनुभव मेरे लिए आसान नहीं था, लेकिन मैंने समय के साथ खुद को मजबूत बनाया।'' भूमि ने कहा, ''मैं किसी भी ऐसी भूमिका का हिस्सा नहीं बनूंगी जिसमें महिलाओं के प्रति अपमान हो। मेरे लिए आत्मसम्मान और महिलाओं का सम्मान सबसे अहम है।

मैं ऐसी कहानियों का हिस्सा नहीं बनना चाहती, जहां महिला किरदार को कमजोर या कमतर दिखाया जाए। मैं ऐसे भी किरदार निभाना पसंद नहीं करती जिनमें करने के लिए बहुत कम हो। मैंने अपने करियर में बहुत मेहनत करके एक ऐसी पहचान बनाई है जो उनके अभिनय पर आधारित है, और मैं चाहती हूं कि दर्शक मुझसे मजबूत और प्रभावशाली भूमिकाओं की ही उम्मीद रखें।''

लियोनार्डो दा विंची के आविष्कारों से रूबरू हुई आहाना कुमरा

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर अभिनेत्री आहाना कुमरा हाल ही में अपनी इटली की खूबसूरत सैर से लौटी हैं और गुरुवार को उन्होंने इसकी खूबसूरत झलकियां शेयर कीं। अभिनेत्री ने इस यात्रा को 'कभी न भूलने वाला' अनुभव बताया है। आहाना ने अपनी ट्रिप की कुछ झलक आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिनमें फ्लोरेंस की खूबसूरती, मूर्तियां और उनका खुश चेहरा साफ दिख रहा है। इसमें उन्होंने रोम की कला और इतिहास को बहुत प्रभावित बताया। अभिनेत्री ने लिखा, रोम के मशहूर 'लीनिंग टावर ऑफ पीसा' के सामने खड़े होने से लेकर खूबसूरत फ्लोरेंस शहर की भव्यता देखने तक का अनुभव बहुत खास रहा। हालांकि फ्लोरेंस में मेरा समय कम था, लेकिन वहां असली डेविड की मूर्ति को अपनी आंखों से देखना एक यादगार पल था और फिर मैंने 'पर्सियस विद द हेड ऑफ मेडुसा' की मूर्ति भी देखी। यह वही मेडुसा है, जिसका सिर आज वर्साचे के लोगो में इस्तेमाल होता है। शहर के बीचों-बीच इतिहास और पौराणिक कथाओं को जीवंत रूप में देखना उनके लिए जादुई अनुभव रहा।

आहाना ने लीनिंग टावर के सामने खड़े होने का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा, 'लियोनार्डो दा विंची' म्यूजियम में घूमना भी शानदार रहा, जिन विचारों और आविष्कारों के बारे में मैंने सिर्फ किताबों में पढ़ा था, उन्हें सामने देखना सच में अद्भुत था।अभिनेत्री ने बताया कि ट्रिप के दौरान स्वादिष्ट इटालियन खाना, कियांती वाइन में अकेले घूमने की आजादी ने इसे और भी यादगार बना दिया। उन्होंने लिखा, जहां मन किया, वहां गए और जब मन किया तब घूमे। यह स्वतंत्रता मुझे बहुत पसंद आई।आहाना ने अपनी पोस्ट के आखिरी में लिखा, मैं आभारी हूं कि इतिहास को अपनी आंखों के सामने जीवंत होते देखने का मौका मिला। आहाना को आखिरी बार साल 2022 की फिल्म सलाम वेंकी में देखा गया था। स्लाइस-ऑफ-लाइफ ड्रामा फिल्म को रेवती ने डायरेक्ट किया था। इसमें काजोल और विशाल जेठवा भी नजर आए थे। इसके अलावा, अभिनेत्री 'राइज एंड फॉल' में नजर आई थी।

बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों को किया प्रोत्साहित

मैसूरु/दक्षिण भारत । बन्नूर कस्बा स्थित रोटरी स्कूल में सरस्वती पूजा का आयोजन रखा गया। साथ ही 10 वीं व 12 वीं के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा देने के सन्दर्भ में जागरूक किया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष विधिवत पूजा अर्चना की गई। सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र सिंह राजपुरोहित मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राजपुरोहित ने अपने संबोधन में बताया कि 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएँ आपके शैक्षणिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। आपके अनुशासन, समय प्रबंधन और कड़ी मेहनत की परीक्षा लेती हैं। आपको आत्मविश्वास के साथ निरंतर पढ़ाई का अभ्यास पर विशेष ध्यान देते हुए सकारात्मक सोच के साथ आप उत्तम अंक प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर रोटरी स्कूल की प्रधानाध्यापिका राधा, शिक्षिका सुचित्रा, व्यवस्थापक नंजुड स्वामी, सदस्य बीएन. सुरेश, वेंकटेश प्रसाद सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

भारतीय एकता मंच के अध्यक्ष बने अमरचन्द सीरवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हेब्बाल केम्पापुरा में अधिवक्ता उदय सिंह के नेतृत्व में अखिल भारतीय एकता मंच की कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस अवसर पर सीरवी महासभा के पूर्व अध्यक्ष विरमाराम सोलंकी, गोविन्द सिंह, राजू वैष्णव सहित कई प्रमुख व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया, जिसमें अमरचंद सीरवी को बेंगलूरु महानगर अध्यक्ष, नौरतमल प्रजापत को महासचिव, दयाल चौधरी को उपाध्यक्ष तथा बाबूलाल माली को सह सचिव चुना गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अमरचंद सीरवी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी ने जो जिम्मेदारी हमें सौंपी है, उसका हम पूरी निष्ठा और कर्तव्य भावना के साथ निर्वहन करेंगे तथा समाज हित के कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। महासचिव नौरतमल प्रजापत ने कहा कि हम अधिक से अधिक लोगों को इस मंच से जोड़कर संगठन को मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे। अधिवक्ता उदय सिंह ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए समाज के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर नंदकिशोर सोनी, पीयूष प्रजापत, जितेंद्र चौधरी, घनश्याम प्रजापत, पूनम प्रजापत सहित कई समाजबंधु उपस्थित रहे।

जैन साधार्मिक सेवा संघ द्वारा ऐतिहासिक संघ यात्रा की तैयारियाँ प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन साधार्मिक सेवा संघ के तत्वावधान में आगामी 7 से 12 मई तक आयोजित होने वाली भव्य संघ यात्रा की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को यहां एक होटल में प्रथम बैठक संपन्न हुई। इस ऐतिहासिक संघ यात्रा में लगभग 400 श्रद्धालु यात्रियों के सम्मिलित होने का अनुमान है। यह संघ अहिल्यानगर, औरंगाबाद, जालना, अंतरिक्ष पार्श्वनाथ एवं कुलपाकजी जैसे पवित्र स्थलों की यात्रा करेगा। बैठक में यात्रा की व्यवस्थाओं, यात्रियों की सुविधाओं एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख रूप से सुनील ओस्तवाल, विनोद चोरड़िया, चेतन छाजेड़ , सुनील नाहटा, आकाश आछा, आनंद लोढा, प्रवीन लोढा, अंशुल कछोलिया, अभिषेक विनायकिया, प्रकाश विनायकिया, प्रवीण मूथा, पूजा ओस्तवाल, दीप्ति बाफना सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक में संघ यात्रा को सफल बनाने हेतु सभी सदस्यों ने अपने सुझाव एवं सहयोग प्रदान किया। अंत में आशीष बाफना ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया। संघ द्वारा इस ऐतिहासिक यात्रा की तैयारियाँ पूरे उत्साह एवं जोर-शोर से प्रारंभ कर दी गई हैं।

समझ और सहनशक्ति से ही जीवन होगा सफल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्री सकल जैन संघ, मंजुनाथनगर, शिवनगर के उत्तम अंकित विला में विराजित श्रमण संघीय महासाध्वीश्री आदर्श ज्योतिजी ने धर्म सभा में कहा, जीवन में दो तरह की शक्ति आ जाए तो जीवन सफल बन जाता है। पहली समझ शक्ति और दूसरी सहन शक्ति। समझ शक्ति के अभाव में ग्रह क्लेश हो जाता है। समझ शिक्षा आजीविका का साधन हो सकता है लेकिन समझ शक्ति के अभाव से वो अपरिपक्व ही रहता है। हमारे जैन धर्म में प्रभु ने समझदारी को ही विवेक कहा है। अविवेक के कारण हमारा जीवन दुखी हो जाता है। एक चुप मतलब कई तरह के सुख। हमारे में समझ शक्ति है परंतु सहन शक्ति नहीं है। पशुओं में सहन शक्ति है, पर उन में समझ शक्ति नहीं होती है। वाणी ऐसी बोलनी चाहिए जिससे किसी को ज़ख्म न लगे। अगर हमारे बोलने से किसी की आंखों में आँसू आ जाएं तो 120 उपवास का प्रायश्चित आता है। इसके पहले साध्वीश्री रजत ज्योतिजी ने मंगलाचरण से सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। साध्वीश्री आत्म ज्योतिजी ने जीवन को सफल एवं कल्याणकारी कैसे बनाएं, विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्ष उत्तम चंद आच्छा ने सबका स्वागत किया। संचालन अंकित आच्छा ने किया।

काशी विश्वनाथ धाम कोरीडोर

कर्नाटक से काशी पहुंचा पत्रकार दल

'आस्था, आध्यात्मिकता और सुशासन का पुनर्जागरण है काशी विश्वनाथ धाम'

देवेन्द्र शर्मा, बनारस यात्रा पर
dakshinbharat.com

बनारस। भारत के सबसे बड़े प्रदेश उत्तरप्रदेश का सबसे प्राचीन शहर 'काशी', जिसे भगवान शंकर की नगरी कहा जाता है। काशी को बनारस, वाराणसी के नाम से भी जाना जाता है। काशी स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर हिंदू श्रद्धालुओं के लिए सबसे पवित्र स्थलों में से एक है और इसे बारह ज्योतिर्लिंगों में विशेष स्थान प्राप्त है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है, जिन्हें यहां विश्वनाथ या विश्वेश्वर के नाम से पुकारा जाता है। उत्तरप्रदेश के प्राचीन और आध्यात्मिक नगर वाराणसी में स्थित 'काशी विश्वनाथ धाम' ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय परिवर्तन का सफर तय किया है। काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के सीईओ विश्व भूषण मिश्रा ने कर्नाटक से आए मीडिया प्रतिनिधिमंडल से संवाद करते हुए धाम परियोजना के ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने मंदिर के इतिहास के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि ऐतिहासिक संदर्भों के अनुसार वर्ष 1669 में मुगल शासक औरंगज़ेब के काल में प्राचीन मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया था, जबकि वर्तमान संरचना का निर्माण वर्ष 1780 में इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होलकर ने करवाया। बाद में महाराजा रणजीत सिंह ने इसके शिखरों पर सोना चढ़वाकर इसे विशिष्ट पहचान प्रदान की। उन्होंने बताया कि पहले मंदिर का कुल क्षेत्रफल लगभग 3 हजार वर्गफीट तक सीमित था। मंदिर के आसपास संकरी गलियां, अत्यधिक भीड़ और मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण श्रद्धालुओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। सुरक्षा और प्रबंधन के क्षेत्र में भी कई चुनौतियां थीं।

सीईओ मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'काशी विश्वनाथ कॉरिडोर परियोजना' प्रारंभ की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य मंदिर को सीधे गंगा नदी से जोड़ना और विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना था। यह परियोजना न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि आधुनिक अवसंरचना, सांस्कृतिक पुनरुत्थान और सामाजिक कल्याण के समग्र मॉडल के रूप में भी उभरकर सामने आई है, जो भविष्य में अन्य धार्मिक स्थलों के लिए प्रेरणा बन सकती है। इस परियोजना के तहत मंदिर परिसर का क्षेत्रफल 3 हजार वर्ग फुट से बढ़ाकर लगभग 5 लाख वर्गफीट कर दिया गया। लगभग 400 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण हुई इस परियोजना में 314 संपत्तियों का अधिग्रहण किया गया तथा 1,400 लोगों का पुनर्वास किया गया। अधिकारियों के अनुसार पूरा कार्य बिना किसी न्यायिक विवाद के संपन्न हुआ।

विश्व भूषण मिश्रा ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम आध्यात्मिकता और सुशासन का पुनर्जागरण है, जहां प्राचीन धार्मिक परंपरा और आधुनिक प्रशासनिक दक्षता का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। इस नए परिसर में 27 विशेष निर्माण किए गए हैं, जिनमें यात्री सेवा केंद्र, अतिथि गृह, संग्रहालय, आध्यात्मिक पुस्तक केंद्र, जलपान केंद्र (फूड कोर्ट) तथा गंगा की ओर दर्शनीय दीर्घाएं शामिल हैं। मंदिर विस्तारीकरण के बाद श्रद्धालु क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि मद्देनजर धाम में अब एक समय में 50 हजार श्रद्धालुओं को समायोजित करने की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के लिए 300 सीसीटीवी कैमरे, आधुनिक बैगेज स्कैनर तथा बहु-एजेंसी सुरक्षा व्यवस्था तैनात है, जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस, सीआरपीएफ, एनडीआरएफ, पीएसी और निजी सुरक्षा कर्मी शामिल हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के माध्यम से भीड़ प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है।

धाम की धार्मिक गतिविधियों की जानकारी देते हुए मिश्रा ने कहा कि मंदिर में प्रतिदिन पांच बार आरतियां होती हैं-मंगला आरती, भोग आरती, सप्तऋषि आरती, श्रृंगार आरती और शयन आरती। इसके अतिरिक्त प्रदोष, पूर्णिमा, मास शिवरात्रि और अन्य धार्मिक आयोजन भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। शंकराचार्य चौक स्थित सेवार्चनम मंच पर स्थानीय और राष्ट्रीय कलाकार सनातन परंपरागत कलाओं की प्रस्तुति देते हैं। 'संवर्धन' पहल के अंतर्गत संस्कृत विद्यालयों को सहयोग, विद्यार्थियों को गणवेश एवं वैदिक शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है तथा डीबीटी प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने मंदिर की नई पहल 'संस्कृति के अदला-बदली' के तहत धाम की ओर से आसपास के मंदिरों को भेजे जाने वाले श्रृंगार व आवश्यक सामग्री के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि श्रृंगारमेल, संगम तीर्थ आदि अन्य नवाचार भी गतिमान है जिसके तहत धाम विभिन्न तीर्थों में संगम तीर्थ भेजने की व्यवस्था करता है। उन्होंने बताया कि धाम ट्रस्ट का प्रयास रहता है कि पूरा तीर्थ 'प्लास्टिक फ्री' हो। उन्होंने काशी धाम के बारे में विभिन्न जानकारी दी तथा मीडिया प्रतिनिधिमंडल को मंदिर प्रांगण का अवलोकन कराया। इस अवसर पर पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) बेंगलूरु की सहायक निदेशक करिश्मा पंत,बनारस पीआईबी के प्रशांत कक्कड़ आदि अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

'शब्द' का वसंतोत्सव कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु।'शब्द' साहित्यिक संस्था का वसंतोत्सव रविवार, 8 मार्च को अपराह्न 3 बजे से जैन विश्वविद्यालय के जे सी रोड स्थित स्कूल ऑफ साइंसेज (अंडरग्रेजुएट कैंपस) के सेमिनार हॉल में मनाया जाएगा। 'शब्द' के कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि वसंतोत्सव में फूलों की होली के साथ कविता पाठ होगा। उन्होंने बताया कि 'शब्द' के वसंतोत्सव के दिन विश्व महिला दिवस भी है। अतः वसंतोत्सव का मंच महिलाओं को समर्पित रहेगा। इस उत्सव की मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं सुप्रसिद्ध समाजसेवी संस्था मातृछाया की संस्थापिका त्रिशला कोठारी होंगी और शब्द की कार्यकारी अध्यक्ष नलिनी पोपट कार्यक्रम व गोष्ठी की अध्यक्षता करेंगी। कार्यक्रम का संचालन करेंगी ग़ज़लकार विद्या कृष्णा। इस विशेष मासिक काव्य गोष्ठी के प्रायोजक के. के. पारीक हैं जो स्वयं रचनाकार एवं काव्यप्रेमी हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

होली उत्सव

बेंगलूरु के 'माँ जीण के दीवाने' द्वारा नेलमंगला एलचागिरी स्थित जीण माता मंदिर पर होली के पावन अवसर पर फूलों की होली का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भक्तों ने भजन व धमाल की प्रस्तुति दी और उपस्थित जनों ने आपस में फूलों व गुलाल के साथ होली खेली। मंदिर के पुजारी रमाशंकर तिवारी ने उपस्थिति भक्तों को सर्वप्रथम विधिवत पूजन कराकर होली के फागोत्सव कीशुरुआत की। प्रातः से ही बड़ी संख्या में भक्तों ने मंदिर पहुँच कर दर्शन किए।

चिकबालापुर में निःशुल्क नेत्र शिविर सम्पन्न

चिकबालापुर/दक्षिण भारत। यहां के श्री महावीर जैन संघ एवं प्रोजेक्ट दृष्टि बेंगलूरु के संयुक्त तत्वावधान में 257वां निःशुल्क नेत्र शिविर स्थानीय एसएसजैन भवन में गुरुवार को सम्पन्न हुआ। अस्पताल के मंत्री उत्तमचन्द कोठारी ने बताया कि 36 मरीजों का शिविर में नेत्र परीक्षण हुआ और 23 मरीजों का आपरेशन यहां के जैन मिशन हास्पिटल में डॉ. नरपत सोलंकी द्वारा हुआ और आज सब मरीजों को नेत्र परीक्षण के बाद छुट्टी दे दी गई।

अमिताभ ने अयोध्या में 35 करोड़ रुपए का भूखंड खरीदा

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 2.67 एकड़ का एक भूखंड 35 करोड़ रुपए में खरीदा है। रियल्टी कंपनी 'हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा' (एचओएबीएल) ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि उसके साथ यह सौदा अमिताभ बच्चन की कंपनी एबी कॉर्प लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राजेश यादव के माध्यम से संपन्न हुआ। यह भूखंड कंपनी की 75 एकड़ की लक्जरी भू-विकास परियोजना 'द सरयू' के निकट स्थित है। जनवरी, 2024 में भी बच्चन ने इस परियोजना में एक प्लॉट खरीदा था।कंपनी ने कहा कि बच्चन का अयोध्या में उसके माध्यम से किया गया यह तीसरा निवेश और कुल मिलाकर चौथा निवेश है।बच्चन ने इससे पहले एचओएबीएल की 'सोल डे अलीबाग' परियोजना में भी 10,000 वर्ग फुट का एक प्लॉट खरीदा था।

केसरिया आदिनाथ जैन मंदिर में प्रथम ध्वजारोहण महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां के शंकरपुरम स्थित श्री केसरिया आदिनाथ जैन मंदिर में 5 मार्च को श्री केसरिया आदिनाथ दादा के प्रथम ध्वजारोहण महोत्सव का आयोजन अत्यंत भक्ति, उल्लास एवं श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। यह पावन आयोजन पूज्य आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी म.सा. आदि श्रमण-श्रमणी वृंद की पावन निश्रा में सम्पन्न हुआ, जिसमें सकल जैन संघ की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह मंदिर में स्नात्र पूजन एवं सत्तरभेदी पूजन से हुआ। तत्पश्चात पूज्य गुरुदेव एवं सकल संघ ध्वजारोहण के लाभार्थी पुनमिया परिवार के निवास स्थान के लिए प्रस्थान किए, जहाँ पूज्य गुरुदेव द्वारा मंगल प्रवचन, मांगलिक एवं आशीर्वचन प्रदान किए गए। इसके पश्चात लाभार्थी सकल संघ के साथ बैंड बाजे के साथ भक्ति यात्रा के रूप में ध्वजा लेकर मंदिर पहुँचे, जहाँ ध्वजा का स्वागत अक्षत वधावणा के साथ किया गया। मंदिर में विधि-विधान से ध्वजा पूजन सम्पन्न हुआ और तत्पश्चात मंदिर के शिखर पर शुभ मंत्रोच्चार 'ॐ पुण्याहम पुण्याहम, ॐ प्रियंताम प्रियंताम' के साथ ध्वजारोहण का पावन कार्य सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण, जयकारों और उल्लास से गूंज उठा। ध्वजारोहण के पश्चात सकल संघ पूज्य गुरुदेव के साथ कर्नाटक भवन पहुँचा, जहाँ नवकारसी के अंतर्गत नाश्ते की व्यवस्था की गई। गुरुदेव का प्रेरणादायी प्रवचन हुआ तथा ध्वजारोहण के लाभार्थी परिवार का सम्मान किया गया। अमर ध्वजारोहण के लाभार्थी एवं आज के संपूर्ण नवकारसी के लाभार्थी मातुश्री चन्द्रावती एवं पिता पारसमल पुनमिया की प्रेरणा से मुकेशकुमार, चिराग, निकिता, ऋषभ पुनमिया परिवार को प्राप्त हुआ। इस आयोजन को सफल बनाने में श्री केसरिया आदिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक ट्रस्ट, सकल जैन संघ, युवा मंडल एवं महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा। पूरे आयोजन में श्रद्धालुजनों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर भक्ति और उत्साह के साथ इस पावन पर्व को यादगार बना दिया।

शीतला माता को लगाया शीतल पकवानों का भोग

मैसूरु/दक्षिण भारत। यहां जनता नगर स्थित बिसलुमारम्मा मंदिर के परिसर में रंगपंचमी से अष्टमी के दिन मनाई जाने वाली शीतला रंगपंचमी के तहत 6 मार्च को श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाई गई। शीतला माता के बासौड़ा पूजन के लिए शुक्रवार को सुबह से ही शीतला माता मंदिर में पूजा-अर्चना का दौर शुरू हो गया। राजस्थान के विभिन्न प्रवासी समुदायों की महिलएं राजस्थानी परिवेश में सज-धजकर हाथ में पूजा की थाली लिए शीतला माता के भजन गाती हुई मंदिर पहुंची और पथवारी पूजा-अर्चना कर शीतल पकवानों का भोग लगाया। उल्लेखनीय है की माता शीतला को ठंडे पकवानों का ही भोग लगाया जाता हैं। इसलिए महिलाएं पूजन से ठीक एक दिन पहले शाम को माता को भोग लगाने के लिए मीठे चावल, कढ़ी, चने की दाल, हलवा, रबड़ी, बिना नमक की पूड़ी, पूए आदि बनाकर रख लेती हैं। सुबह घर व मंदिर में माता की पूजा-अर्चना कर महिलाएं शीतला माता को बसौड़ा का प्रसाद चढ़ाती हैं। पूजा करने के बाद घर की महिलाएं बसौड़ा का प्रसाद अपने परिवार में बांट कर सभी के साथ मिलजुल कर बासी भोजन ग्रहण करके माता का आशीर्वाद लेती हैं। माता को बासा भोग लगाने के कारण इस पूर्व को बासौड़ा के नाम से भी जाना जाता हैं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**